

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत अखबार

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

जागरूक जनता

18 नवम्बर - 24 नवम्बर 2026

jagrukjanta.net

कार्तिक, पक्ष - शुक्ल, तिथि - नवमी, संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-38, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- साप्ताहिक

किस की कीमत क्या है? यह तो जानना ही चाहिए!

सटीक



शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

इस संसार में ईश्वर और प्रकृति से उत्पन्न हुई या दी हुई किसी भी वस्तु की कीमत नहीं होती। इसलिए लोग उसकी कीमत को नहीं जानते। मगर वही वस्तु जब मनुष्य के हाथों पड़ जाती है तो उसकी कीमत लग जाती है। आप किसी भी वस्तु को देख लो। ईश्वर की तरफ से सब कुछ निःशुल्क है। पानी, हवा, फल, अन्न, जमीन, पौधे, अनाज, धूप, छांव, बरसात, ऊर्जा, संचार, गति आदि किसी भी वस्तु का ईश्वर हमसे शुल्क नहीं वसूलता। मगर जब यही वस्तु मनुष्य के हाथ पड़ जाती है तो तुरन्त उसकी कीमत वसूलना शुरू हो जाता है। मगर इन अनमोल वस्तुओं के मोल को जरूर पहचानना चाहिए। बात हम कीमत की कर रहे थे। तो आप देखिए कोई विद्यार्थी जब फेल हो जाता है तो क्या कहता है एक साल खराब हो गया। उसके समझ में आया कि एक वर्ष की कीमत क्या है। महीना क्या होता है इसकी कीमत कौन बताएगा, जिसको पिछले महीने वेतन नहीं मिला हो, वह क्या कहेगा पूरा महीने काम किया, मगर वेतन नहीं। उसको समझ आई महीने की कीमत क्या है। कोई बीमार हो जाए और एक सप्ताह तक अस्पताल में पड़ा रहे, उसे एक-एक दिन भारी लगता है। वह बता सकता है कि एक सप्ताह की कीमत क्या है। सप्ताह के बाद आता है दिन। एक दिन की कीमत वह अच्छी तरह से बता सकता है जो दिनभर भूखा रहा हो। उसे पता चलता है कि भूखे पेट दिन कैसे निकलता है। अगर किसी ने किसी का एक घंटे इंतजार किया हो तो वह बता सकता है कि एक घंटे तक इंतजार करना कितना भारी है और उसकी कीमत क्या है। कई लोग कहते हैं कि अरे भाई रुको, एक मिनट में क्या फर्क पड़ता है। हम कहते हैं पड़ता है एक मिनट का भी फर्क पड़ता है। जिसकी एक मिनट पहले ट्रेन निकल गई हो, वह अच्छी तरह से बता सकता है कि एक मिनट की कीमत क्या है। कीमत को अगर कोई समझे तो कीमत तो एक-एक सैकण्ड की होती है। एक सैकण्ड की कीमत वह बता सकता है जो कभी दुर्घटना से बाल-बाल बचा हो। कोई भी वस्तु यहां बिना कीमत नहीं बची है। इसलिए कोई वस्तु हो, समय हो, रिश्ता हो, विद्या हो, अवसर हो। इनको गंवाना नहीं चाहिए। इन सबकी कीमत है। अगर इनकी कीमत को किसी ने नहीं पहचाना तो उसने अपने आपकी कीमत को भी नहीं पहचाना। इसलिए हर किसी को कीमत का महत्व पहचानना चाहिए।

Shivdayalmishra@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन से भव्य एवं दिव्य बनेगा तीर्थराज पुष्कर

विरासत संग विकास की ओर अग्रसर पुष्कर बनेगा क्लीन एंड ग्रीन सिटी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net



जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन से तीर्थराज पुष्कर आने वाले समय में नव्य, भव्य व दिव्य स्वरूप में दिखाई देगा। राज्य सरकार पुष्कर के पौराणिक विरासत को सहेजते हुए इसे आधुनिक रूप में विकसित करने की दिशा में ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर, पुष्कर सरोवर के घाटों एवं परिक्रमा मार्ग के विकास के मेगा प्रोजेक्ट पर कार्य कर रही है। वहीं, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सड़क विकास से लेकर अन्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। पुष्कर और आसपास के क्षेत्रों में आवागमन सुगम बनाने के लिए लगभग 42 करोड़ रुपये से अधिक के सड़क निर्माण, चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य करवाए गए हैं। इनमें पुष्कर-बड़ी घाटी सड़क, सुरजकुंड योजना, मोतीसर मार्ग, सावित्री मंदिर मार्ग और शहर के विभिन्न मार्गों के विकास के कार्य शामिल हैं। इसके अलावा 80 लाख रुपये की लागत से पुष्कर सरोवर के निकट उच्चस्तरीय पुल की मरम्मत और 1 करोड़ 33 लाख रुपये की लागत से भव्य स्वागत द्वार का निर्माण भी करवाया गया है। सावित्री माता मंदिर क्षेत्र में जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर करने के लिए 50 करोड़ रुपये के कार्य की स्वीकृति जारी की जा चुकी है। साथ ही, पुष्कर को क्लीन एंड ग्रीन इको सिटी के रूप में विकसित किए जाने के लिए डीपीआर बनाने का कार्य किया जा रहा है।

पर्यटकों की पसंद में शामिल पुष्कर

पुष्कर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता के साथ पर्यटन आकर्षण भी बढ़ रहा है। वर्ष 2023 में 76 लाख 42 हजार से अधिक घरेलू पर्यटक यहां पहुंचे। वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर 1 करोड़ 24 लाख से अधिक तथा वर्ष 2025 में 1 करोड़ 32 लाख से अधिक हो गई। वर्ष 2025 में 68,327 विदेशी पर्यटक आए। वर्ष 2026 में अगस्त तक 70 लाख 88 हजार से अधिक घरेलू और 31 हजार 459 विदेशी पर्यटक पुष्कर पहुंचे।

पुष्कर बना परंपरागत आयोजनों के साथ पर्यटन के नए अनुभवों का संगम

हर वर्ष की भांति इस बार भी पुष्कर धार्मिक आस्था, लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन के विविध रंगों से देश-दुनिया को रूबरू करवाने के लिए तैयार है। आगामी 24 नवंबर तक आयोजित होने वाले मेले में विदेशी पर्यटकों की सहभागिता वाली खेल प्रतियोगिताएं, फूड एंड क्राफ्ट फेस्टिवल, ऊंट एवं घोड़ा नृत्य, लोक संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण रहेंगी। विदेशी पर्यटक राजस्थान के पारंपरिक ग्रामीण खेलों में स्थानीय प्रतिभागियों के साथ मुकाबला करते नजर आएंगे, तो शिल्पग्राम में प्रदेश के हस्तशिल्पियों के हुनर और पारंपरिक व्यंजनों की खुशबू महकेगी। 20 नवम्बर को शिल्पग्राम में फूड एंड क्राफ्ट फेस्टिवल का उद्घाटन होगा। इस आयोजन में हस्तशिल्प और खानपान से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। पुष्कर सरोवर की महाआरती, दीपदान और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां मेले की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक छटा को और बढ़ाएंगी।

23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

'दुनिया को शांति, स्थिरता और भरोसेमंद माहौल की जरूरत'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मनीला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (ASEAN) के बीच संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी ने पिछले कुछ वर्षों में इन रिश्तों को नई गति और गहराई दी है। अब भारत और आसियान की साझेदारी साझा संस्कृति और विरासत से आगे बढ़कर डिजिटल तकनीक, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक पहुंच गई है। फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए



प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ASEAN देशों के साथ लोगों के आपसी संपर्क को मजबूत करने के लिए 100 से अधिक पहल की हैं। इसके अलावा करीब 250 क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं और कौशल विकास के लिए 10 हजार से अधिक छात्रवृत्तियां दी गई हैं।

दुनिया को शांति, स्थिरता और भरोसेमंद माहौल की जरूरत

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दुनिया लगातार कई संकटों से गुजरी है। ऐसे समय में वैश्विक समुदाय को सबसे ज्यादा शांति, स्थिरता और भविष्य को लेकर भरोसेमंद माहौल की जरूरत है। इस संबंध में शिखर सम्मेलन की इस वर्ष की थीम 'नेविगेटिंग आवर फ्यूचर दुगेदर' (मिलकर अपने भविष्य की राह तय करना) विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा कि भारत का विकास और आसियान देशों की समृद्धि एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in



Havemor

Shobhit Shinghal

देव दीपोत्सव एवं लाभ पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद

इस वर्ष रिकॉर्ड 23.50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

श्री बदरीनाथ धाम/देहरादून। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित श्री बदरीनाथ धाम के कपाट सोमवार (16 नवंबर) की रात परंपरागत धार्मिक रीतियों के साथ पालन के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इसके साथ ही इस साल के लिए श्री बदरीनाथ धाम यात्रा का समापन हो गया। इस वर्ष श्रद्धालुओं की आस्था का एक नया कीर्तिमान बना। गत 23 अप्रैल को कपाट खुलने के बाद से पूरी यात्रा अवधि के दौरान देश-विदेश से श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ा और 23.50 लाख से अधिक भक्तों ने भगवान बदरी विशाल के दर्शन किए।

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?

देश्री दिल के लिये, दादी वाला देश्री तेल...

Kabira
Healthy Growth
Yellow Mustard Oil

Natural Immunity Booster
FORTIFIED WITH VITAMIN A & D3
100% VEG.
COLD PRESSED
KOSHER

स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।

- प्राचीन शीतल विधि घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधि उच्च ताप रहित।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
- केवल देसी सरसों द्धारा निर्मित ।
- मोटापा घटाने में लाभदायक ।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
- छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमूखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-



To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in

ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)

#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

For Award Details : Contact 98290-50738

* In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)

राजस्थान पत्रकार परिषद के स्नेह मिलन समारोह में हुआ वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान

लोकतंत्र में असहमति का सम्मान, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान जरूरी : देवनानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति का भी सम्मान होता है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं के प्रति श्रद्धा बनी रहनी चाहिए। पत्रकार मर्यादाओं में रहकर निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता करें, क्योंकि पत्रकारिता ही लोकतंत्र की शक्ति है। संसद और विधानसभाओं में लिए गए निर्णयों का दस्तावेजीकरण संवैधानिक इतिहास का निर्माण करता है, वहीं पत्रकारिता उन निर्णयों के पीछे के विचारों, परिस्थितियों और जनभावनाओं को समाज के सामने रखती है।

स्पीकर देवनानी सोमवार को विद्याधर नगर में राजस्थान पत्रकार परिषद के दीपावली स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कलम की ताकत का वास्तविक परिचय उसके प्रभाव से मिलता है। एक समाचार किसी उपेक्षित गांव की समस्या को शासन तक पहुंचा सकता है, किसी पीड़ित के मन में न्याय की उम्मीद जगा सकता है और किसी सकारात्मक प्रयास को देशव्यापी पहचान दिला सकता है। देवनानी ने कहा कि भारत का स्वतंत्रता आंदोलन पत्रकारिता के योगदान के बिना अधूरा है। राजा



राममोहन राय, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी और गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे महान व्यक्तित्वों ने पत्रकारिता को राष्ट्रीय जागरण, जनचेतना और सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया। उनके विचार और लेखन आज भी पत्रकारिता की मूल प्रेरणा बने हुए हैं। संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान, उनकी कार्यप्रणाली की समझ और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्वों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

देवनानी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में पत्रकार की मौलिक भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होगी। तकनीक सूचना का विश्लेषण कर सकती है, लेकिन मानवीय संवेदना, सामाजिक संदर्भ, नैतिक विवेक और सार्वजनिक जवाबदेही पत्रकारिता के मूल आधार हैं। दूरस्थ गांवों में कार्यरत पत्रकार स्थानीय समस्याओं, किसानों की अपेक्षाओं, विकास योजनाओं की वास्तविक स्थिति, शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासन से जुड़े विषयों को सामने लाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को जनसामान्य से जोड़ते हैं। महिला पत्रकारों की सहभागिता और अधिक बढ़नी चाहिए।

'पब्लिक अवेयरनेस में सहयोग दें पत्रकार'

कार्यक्रम में महापौर सुनील कोठारी ने जयपुर की स्थापना के तीन सौ वर्ष की शुरुआत का जिक्र करते हुए कहा कि पत्रकार जयपुर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए पब्लिक अवेयरनेस में सहयोग दें और आम जनता को सफाई तथा अतिक्रमण जैसे विषयों पर जागरूक बनाएं। भाजपा विधायक कालीचरण सराफ ने भरोसा दिलाया कि जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एक्ट की पत्रकारों की मांग वे सरकार तक पुरजोर ढंग से पहुंचाएंगे। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलविंदर सिंह जम्मू ने पत्रकारों से जुड़े विभिन्न विषय उठाए, वहीं प्रदेशाध्यक्ष रोहित सोनी ने नए पत्रकारों के लिए विधानसभा कवरेज के प्रशिक्षण की कार्यशाला कराने और पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने का आग्रह किया। परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष गिरिराज अग्रवाल ने आभार जताया। इस अवसर पर पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वरिष्ठ पत्रकार अनिल लोढ़ा, गुलाब बत्रा, महेश शर्मा, महेश झालानी, योगेश जैमन, सत्यनारायण शर्मा, सुरेंद्र जैन पारस, अजीत तिवारी, पुरुषोत्तम सैनी, जगदीश जैमन, गिरिराज जैमन, वीरेंद्र सिंह राठौड़ और राजेंद्र हंस का सम्मान किया गया।

पेंशनर्स 30 नवंबर तक जमा कराएं जीवन प्रमाण पत्र, वरना अटक सकती है पेंशन

इस माह प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य

ऑनलाइन और ई-मित्र के जरिए भी मिलेगी सुविधा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के समस्त सिविल पेंशनर्स एवं पारिवारिक पेंशनर्स को नवंबर माह में अपना जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। इसके लिए अंतिम तिथि 30 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है। निर्धारित समय तक जीवन प्रमाण पत्र जमा नहीं कराने पर नवंबर माह की पेंशन अथवा पारिवारिक पेंशन का भुगतान नियमानुसार नहीं किया जा सकेगा। निदेशालय पेंशन एवं पेंशनर्स वेलफेयर विभाग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1996 के नियम 134 के तहत प्रत्येक पेंशनर एवं पारिवारिक पेंशनर को प्रतिवर्ष नवंबर माह में जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है। विभाग के अनुसार पेंशनर्स जीवन प्रमाण पत्र कई माध्यमों से जमा करा सकते हैं। इसके लिए आईएफएमएस-3.0 पर कर्मचारी की स्वयं की एसएसओ आईडी के माध्यम से ऑनलाइन प्रमाणन किया जा सकता है। इसके अलावा संबंधित कोषालय अथवा उप कोषालय, निदेशालय पेंशन एवं संभागीय पेंशन कार्यालयों की हेल्पडेस्क पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर भी प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। ई-मित्र केंद्र के माध्यम से भी जीवन प्रमाणन की सुविधा उपलब्ध है। विभाग ने सभी पेंशनर्स एवं पारिवारिक पेंशनर्स से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना 30 नवंबर तक अपना जीवन प्रमाण पत्र आवश्यक रूप से प्रस्तुत कर दें, ताकि पेंशन भुगतान में किसी प्रकार की बाधा नहीं आए।

मोती डूंगरी गणेश जी को प्रथम निमंत्रण के साथ दो दिवसीय समारोह का आगाज

जयपुर का 299वां स्थापना दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश की राजधानी जयपुर का 299 साल का सफर परंपरा वही अंदाज नया. मंगलवार को जयपुर ने अपना स्थापना दिवस पर्व शुरू किया. शुरुआत हुई उसी परंपरा से जो सदियों से निभाई जा रही है. नगर निगम ने प्रथम पूज्य मोती डूंगरी गणेश जी को निमंत्रण दिया. जयपुर की नींव से जुड़ी इस परंपरा के साथ ही शहर में दो दिन तक संस्कृति और भक्ति के रंग बिखरेंगे. नगर निगम की ओर से स्थापना दिवस पर विभिन्न आयोजन किए जाएंगे. 17 और 18 नवंबर को जयपुर का स्थापना दिवस समारोह में संस्कृति और धार्मिक आस्था के रंग देखने को मिलेंगे. मंगलवार सुबह महापौर सुनील कोठारी और पार्षदों की ओर से मोती डूंगरी गणेश मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद गणेश निमंत्रण दिया गया. इसके साथ ही शहर के ऐतिहासिक स्थापना दिवस समारोह का औपचारिक शुभारंभ हुआ.

स्थापना दिवस समारोह के पहले दिन मंगलवार शाम बिड़ला ऑडिटोरियम में कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें देशभर के मशहूर कवि अपनी रचनाओं से श्रोताओं को सराबोर किया। सम्मेलन में वीर रस के कवि हरिओम पंवार, हास्य-व्यंग्य कवि एहसान कुरैशी, दिनेश रघुवंशी, सुरेश अलबेला, प्रियंशु गजेंद्र, राव अजातशत्रु और कवयित्री दीपिका माही



ने अपनी प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संयोजन जयपुर के एकेश पार्थ ने किया।

शहर के प्रमुख दरवाजों पर गूंजेगी शहनाई

वहीं स्थापना दिवस के अवसर पर जयपुर की पारंपरिक पहचान को भी सुरों के जरिए जीवंत किया जाएगा. मोती डूंगरी गणेश मंदिर, न्यू गेट रामलीला मैदान, सांगानेरी गेट, अजमेरी गेट, जोरावर सिंह गेट, गंगापोल गेट, सूरजपोल गेट, चांदपोल गेट और घाटगेट सहित प्रमुख स्थानों पर शहनाई वादन कार्यक्रम आयोजित किए गये। शहनाई की मधुर धुनों के साथ शहर के ऐतिहासिक दरवाजों और प्रमुख स्थलों पर उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

18 नवंबर को गणेश पूजन और दीप प्रज्ज्वलन

स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन बुधवार को सुबह 9.30 बजे से 10 बजे तक गंगापोल दरवाजे पर गणेश पूजन होगा. इसके बाद सुबह 10.30 से 11 बजे तक गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन एवं पूजन का कार्यक्रम रखा गया है. वहीं शाम को स्टेच्यू सर्किल पर दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा. दीपों की रोशनी से गुलाबी नगरी स्थापना दिवस के उल्लास में जगमगाएगी.

राज्यपाल और मुख्यमंत्री को भी दिया निमंत्रण

इससे पहले सोमवार को महापौर सुनील कोठारी ने राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर उन्हें जयपुर स्थापना दिवस समारोह का निमंत्रण पत्र सौंपा. इस दौरान पूर्व महापौर पंकज जोशी, पार्षद प्रतिभा शर्मा, विमल अग्रवाल, शैलेन्द्र भार्गव और सुभाष सिंघी भी मौजूद रहे. महापौर ने जयपुरवासियों से परिवार सहित स्थापना दिवस के आयोजनों में शामिल होकर समारोह को यादगार बनाने की अपील की है.

'फिट यूथ, नशा मुक्त युवा' अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम

छात्राओं को दिया स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी गर्ल्स कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयों के तत्वावधान में 'विकसित भारत-फिट यूथ, नशा मुक्त युवा' अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति



जागरूक करने के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और खेलों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ बियानी नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. जिशु जॉर्ज के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने 'नशा मुक्त युवा' विषय पर अपने विचार रखते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने तथा सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इसके बाद एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रमाकांत गौतम ने भारत सरकार के 'विकसित भारत' के संकल्प एवं 'माय भारत' युवा पोर्टल की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संस्थान निदेशक डॉ. संजय बियानी एवं प्राचार्य डॉ. ध्यानसिंह गोठवाल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए खेलों को शारीरिक एवं मानसिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को नशा मुक्त भारत की शपथ भी दिलाई गई। जागरूकता सत्र के बाद खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसमें छात्राओं ने कबड्डी, खो-खो, रस्साकशी (टग ऑफ वॉर) एवं दौड़ प्रतियोगिताओं में भाग लिया। अंत में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कनुप्रिया शर्मा ने सभी का आभार जताया।

दावते इस्लामी का सालाना दुआ-ए-शिफा कार्यक्रम आयोजित

मुसीबत में सब्र रखें, अपने रब से दिल लगाएं : अली मदनी

देश में अमन-चैन और खुशहाली के लिए मांगी दुआ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। घाटगेट स्थित मस्जिद मोमिनान में दावते इस्लामी की ओर से सालाना दुआ-ए-शिफा कार्यक्रम आयोजित किया गया। शहरभर से बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की। मुंबई से आए मौलाना अली मदनी ने अपने



संबोधन में कहा कि जिंदगी में परेशानी और मुसीबत आने पर इंसान को सब्र से काम लेना चाहिए और अपने रब पर भरोसा रखते हुए उससे दिल लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में निराश होने के बजाय अल्लाह की रहमत से उम्मीद रखनी चाहिए। मौलाना अली मदनी ने आत्महत्या को सख्त हराम बताते हुए कहा कि यह इंसान को जहन्नुम की ओर ले जाने वाला काम है। उन्होंने लोगों से हर परिस्थिति में धैर्य बनाए रखने और जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखने की अपील की। कार्यक्रम में परेशानहाल लोगों के लिए इस्तेखारे किए गए तथा नमाज-ए-हाजात बाजमाअत अदा की गई। इस मौके पर मुंबई से आए सैय्यद सरफराज ने देश में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष सामूहिक दुआ कराई। साथ ही कारोबार में आ रही रुकावटों, बेऔलादी, कर्जदारी और अन्य परेशानियों से जूझ रहे लोगों के लिए भी दुआ मांगी गई। दुआ का माहौल इतना भावुक और पुरअसर रहा कि बड़ी संख्या में जायरीन की आंखें नम हो गईं। कार्यक्रम के समापन पर हाजी शफीक अत्तारी ने आखिरी नबी की शान में सलाम पेश किया। इसके साथ ही सालाना दुआ-ए-शिफा कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रदेश में पहली बार मिली पीलू की दुर्लभ प्रजाति, सफेद रंग के होते हैं इसके रसीले फल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। राजस्थान की जैव विविधता के लिहाज से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है. प्रदेश में अब तक पीलू की दो प्रजातियां मीठा जाल और खारी जाल ही ज्ञात थीं, लेकिन वन वैज्ञानिकों ने पीलू की एक तीसरी प्रजाति सेल्वेडोरा अलाई की उपस्थिति भी पहली बार राजस्थान में दर्ज की है. इस दुर्लभ प्रजाति की खास पहचान इसके सफेद रंग के रसीले पके फल हैं. जबकि राजस्थान में पहले से ज्ञात पीलू की दोनों प्रजातियों के फल गुलाबी-लाल रंग के होते हैं.

वैज्ञानिक जर्नल में प्रकाशित हुआ शोध

राजस्थान के प्रसिद्ध वन वैज्ञानिक डॉ सतीश कुमार शर्मा, डॉ अनिल सरसावन एवं दिलीप सिंह सोलंकी ने शोध एवं सर्वेक्षण के दौरान इस प्रजाति को जोधपुर, जालोर, भीलवाड़ा और भरतपुर जिलों में खोजा है. राजस्थान में इसकी उपस्थिति पहली बार दर्ज होने को राज्य की वनस्पति विविधता के अध्ययन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. राजस्थान में सेल्वेडोरा अलाई की पहली उपस्थिति से संबंधित शोध 'जर्नल ऑफ न्यू बायोलॉजिकल रिपोर्ट्स' के अंक 15 (1) में प्रकाशित हुआ है. देश में इससे पहले इस प्रजाति की उपस्थिति गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में भी दर्ज की जा चुकी है. इस खोज से राजस्थान की वनस्पति संपदा में पीलू की एक नई प्रजाति का समावेश हुआ है. साथ ही प्रदेश की जैव विविधता के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण और संरक्षण के लिहाज से भी इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है.

सिंध से राजस्थान तक 16 साल की खोज

डॉ सतीश शर्मा ने बताया कि इस प्रजाति की विश्व में पहली उपस्थिति वर्ष 2010 में पाकिस्तान के सिंध प्रांत में दर्ज की गई थी. राजस्थान और सिंध की जलवायु एवं प्राकृतिक परिस्थितियों में कई समानताएं होने के कारण वन वैज्ञानिकों ने इसकी संभावित मौजूदगी को लेकर अध्ययन और सर्वेक्षण शुरू किया. करीब 16 वर्षों की खोजबीन और अनुसंधान के बाद आखिरकार इस प्रजाति को राजस्थान में भी खोज लिया गया.

कालवाड़ रोड होगी 160 फीट चौड़ी, हटाए जाएंगे 100 से अधिक मकान-दुकान

सर्वे कर निशान लगाने का काम जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कालवाड़ रोड पर बढ़ते ट्रैफिक दबाव को ध्यान में रखकर जेडीए अब इसे चौड़ा करने जा रहा है। इसके लिए मौके पर रोड सीमा में आ रहे निर्माणों को चिह्नित करने का काम सोमवार से शुरू कर दिया गया है। डिमार्केशन का काम फिलहाल 160 फीट चौड़ाई को बेस मानकर किया जा रहा है, लेकिन भविष्य में अगर जब भी इस रोड पर मौजूद संपत्तियों (जमीन, दुकान, मकान) के पट्टे (लीज डीड) जारी किए जाएंगे, तो वह 200 फीट रोड छोड़ कर करेंगे, क्योंकि जयपुर से कालवाड़ तक ये रोड मास्टर प्लान में 200 फीट प्रस्तावित है। जेडीए की सर्वे टीम ने सोमवार को मौके पर पैमाइश शुरू कर प्रस्तावित सड़क सीमा में आ रहे निर्माणों को चिह्नित करके उन पर लाल निशान लगाना शुरू कर दिया। पृथ्वीराज नगर नॉर्थ और जोन-7 उपायुक्त के निर्देश पर डिमार्केशन का काम चल रहा है। डिमार्केशन का काम फिलहाल 160 फीट की चौड़ाई मानकर किया जा रहा है और इसी चौड़ाई में आ रहे निर्माण हटाए जाएंगे और सड़क चौड़ी की जाएगी। डिमार्केशन का काम कालवाड़ रोड स्थित एक्सप्रेस पुलिया से शुरू होकर गोविंदपुरा बस स्टैंड तक किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक करीब 3 किलोमीटर में ही 100 से ज्यादा दुकानें व अन्य निर्माण इस सड़क सीमा की जद में आ रहे हैं। इस रोड पर गोविंदपुरा तक अभी सबसे ज्यादा ट्रैफिक संचालन रहता है। कई जगहों पर यह रोड 80 फीट या उससे कम चौड़ी है, जबकि कई जगह पर ये 100 फीट या उससे ज्यादा चौड़ाई में उपलब्ध है। व्यापारियों को 25 नवंबर तक का समय दिया गया है। 25 नवंबर के बाद जेडीए के स्तर पर कार्रवाई करके निर्माण हटाए जाएंगे।

गुलाबी नगर को साफ-सुथरा बनाने की कवायद, मुख्यालय को भेजनी होगी रिपोर्ट

डीसी और मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक अब रोजाना जांचेंगे सफाई व्यवस्था

कचरा पॉइंट्स पर जताई कड़ी नाराजगी, आवासीय कॉलोनियों, सब्जी मंडियों एवं बाजारों में भी सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने जयपुर शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए सोमवार को जयपुर के समस्त जोन उपायुक्तों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने शहर में विभिन्न स्थानों पर बने कचरा पॉइंट्स एवं सफाई व्यवस्था में सामने आ रही लापरवाही पर नाराजगी जताकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर की स्वच्छता के प्रति किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जैन ने सभी जोन उपायुक्तों एवं मुख्य सफाई निरीक्षकों को प्रतिदिन अनिवार्य रूप से फील्ड में उतरकर अपने-अपने क्षेत्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं रहें, बल्कि मौके पर जाकर सफाई व्यवस्था का जायजा लें और प्रतिदिन की निरीक्षण रिपोर्ट एवं कार्यवाही का विवरण मुख्यालय को भिजवाना सुनिश्चित करें।



उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्देशों की पालना में किसी भी प्रकार की कोताही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी। शासन सचिव ने कहा कि शहर की स्वच्छता का दायरा केवल मुख्य सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों तक सीमित नहीं होना चाहिए। आवासीय कॉलोनियों, आंतरिक मार्गों, सब्जी मंडियों, बाजारों एवं अन्य व्यस्त क्षेत्रों में भी नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कचरा संग्रहण एवं निस्तारण व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ चिह्नित कचरा पॉइंट्स को समाप्त करने तथा दोबारा कचरा एकत्रित नहीं होने देने के निर्देश दिए।

दुकानों के बाहर डस्टबिन नहीं होने पर अपनाया सख्त रुख

स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने दुकानदारों द्वारा दुकानों के बाहर डस्टबिन नहीं रखने पर भी सख्त रुख अपनाते हुए ऐसे प्रतिष्ठानों के विरुद्ध अधिकाधिक चालान जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दुकानदार की जिम्मेदारी है कि वह अपनी दुकान के आसपास स्वच्छता बनाए रखे तथा कचरा निर्धारित स्थान पर ही डाले। नियमों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध भारी जुर्माना लगाया जाए। उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को भी पूरी गंभीरता एवं नियमितता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी आवासीय क्षेत्रों में घर-घर कचरा संग्रहण सुनिश्चित किया जाए तथा कचरा संग्रहण वाहनों की नियमित आवाजाही एवं निर्धारित रूट के अनुसार संचालन की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए। किसी भी क्षेत्र में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों की जिम्मेदारी तय कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

'कागजी कार्रवाई नहीं रहे सफाई सुधार कार्य'

जैन ने अधिकारियों को कड़ा संदेश दिया कि शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार केवल कागजी कार्रवाई से नहीं, बल्कि नियमित निगरानी और प्रभावी कार्रवाई से ही संभव है। सफाई व्यवस्था में लापरवाही अथवा निरीक्षण एवं रिपोर्टिंग में ढिलाई बरतने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में नगर निगम आयुक्त ओम कासेरा, अतिरिक्त निदेशक डीएलबी डॉ. अशोक कुमार, अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम नरेंद्र कुमार बंसल, मुख्य अभियंता प्रदीप गर्ग सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

अनुसंधान एवं अभियोजन में मार्गदर्शक बनेगी 'विधि दर्पण' पुस्तिका

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

■ डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने किया प्रथम अंक का विमोचन

■ सुप्रीम कोर्ट और राजस्थान हाईकोर्ट के चयनित निर्णयों का संकलन

जयपुर। अनुसंधान अधिकारियों को कानूनी प्रावधानों और न्यायिक निर्णयों की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस ने नवाचार करते हुए 'विधि दर्पण' पुस्तिका प्रकाशित की है। अनुसंधान एवं अभियोजन को अधिक प्रभावी, विधिसम्मत और न्यायिक अपेक्षाओं के अनुरूप बनाने के लिए तैयार इस पुस्तिका में उच्चतम न्यायालय एवं राजस्थान उच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण चयनित निर्णयों को संकलित किया गया है।



पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने पुलिस मुख्यालय में सोमवार को पुस्तिका के प्रथम अंक का विमोचन किया। शर्मा ने कहा कि यह पुस्तिका पुलिस अधिकारियों के लिए अनुसंधान, साक्ष्य संकलन और अभियोजन प्रक्रिया में एक उपयोगी संदर्भ सामग्री साबित होगी। पुस्तिका को चार प्रमुख भागों में विभाजित किया गया है। प्रथम भाग में उच्चतम न्यायालय के महत्वपूर्ण निर्णय रखे गए हैं। इनमें गिरफ्तारी के आधार लिखित में देना अनिवार्य होने, अग्रिम अनुसंधान के लिए मजिस्ट्रेट की अनुमति अनिवार्य, दीवानी विवाद और छल के अपराध तथा पहचान का साक्ष्य एवं शिनाख्त परेड जैसे विषय शामिल हैं। इसके द्वितीय भाग में राजस्थान उच्च न्यायालय के अनुसंधान में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमा और अवरोधन के सुरक्षा उपाय एवं एफआईआर से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णयों का संकलन है। तृतीय भाग में एक अनुसंधान अधिकारी के लिए उपयोगी आठ आधारभूत एवं स्मरणीय निर्णय दिए गए हैं। चतुर्थ भाग में व्यावहारिक संदर्भ सामग्री शामिल की गई है। इनमें अनुसंधान अधिकारियों के व्यवहार में लाने योग्य बिंदुओं को प्रकाशित किया गया है।

महत्वपूर्ण धाराओं का भी है उल्लेख

पुस्तिका में नवीन एवं प्राचीन कानूनों की समतुल्य धाराओं की सारणी के साथ दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय न्याय संहिता की महत्वपूर्ण धाराओं का भी उल्लेख किया गया है। इसमें पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, सीआईडी-सीबी महानिरीक्षक पुलिस व पुस्तिका प्रधान संपादक के. बी. वंदना और उप महानिरीक्षक पुलिस (अपराध शाखा) राशि डोगरा डूडी के विशेष आलेख भी प्रकाशित किए हैं। इस पुस्तिका का हर तीन माह में प्रकाशन किया जाएगा। विमोचन अवसर पर पुलिस महानिदेशक शर्मा के साथ डीजी (कानून व्यवस्था) संजय अग्रवाल, डीजी (स्पेशल ऑपरेशन) आनंद श्रीवास्तव, डीजी (ट्रैफिक) मालिनी अग्रवाल, एडीजी (क्राइम) बिपिन पांडेय सहित सभी वरिष्ठ पुलिस मौजूद रहे।

उत्तरी हवाओं से बढ़ेगी राजस्थान में सर्दी, 2 से 4 डिग्री तक की आएगी गिरावट

जागरूक जनता नेटवर्क

जयपुर। उत्तरी हवाओं से आगामी समय में प्रदेश में सर्दी में इजाफा देखने को मिलेगा। हवाओं से प्रदेश के तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट आएगी। 16 शहरों का दिन का तापमान 30 डिग्री से नीचे तो वहीं जालोर को छोड़कर सभी शहरों का रात का पारा 20 डिग्री से नीचे पहुंच गया।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के 8 शहरों का रात का तापमान 15 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। माउंट आबू से सर्द रात फतेहपुर की रही। फतेहपुर का रात का तापमान 12.1 डिग्री दर्ज किया गया। फतेहपुर के अलावा अलवर, पिलानी, सीकर, श्रीगंगानगर, वनस्थली, करौली और माउंट आबू का रात का तापमान 15 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। 35.8 डिग्री के साथ चित्तौड़गढ़ का दिन और 20.1 डिग्री के साथ जालोर की रात सबसे गर्म रही। सोमवार को प्रदेश के 16 शहरों का दिन का तापमान 30 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। हवाएं चलने से जयपुर के रात के तापमान में 1 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 29.7 और न्यूनतम 17.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य के अधिकतर भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रह सकता है। उत्तरी हवाओं के आंशिक प्रभाव से आगामी तीन-चार दिनों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री की गिरावट देखने को मिलेगी। इससे प्रदेश में सर्दी में इजाफा होगा। हालांकि कड़ाके की सर्दी का दौर अभी दूर है।

पंचायतीराज चुनाव का चौथा चरण

सरपंची के लिए कड़ी मेहनत आई काम, 84.42 फीसदी मतदान

जयपुर में 85.27 वोटिंग, जैसलमेर में 92 फीसदी से अधिक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सरपंच चुनाव के लिए चौथे चरण में सोमवार को प्रदेश में मतदान के प्रति लोगों में जागरूकता और प्रत्याशियों के प्रयासों के बाद शाम 6 बजे तक 84.42 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जैसलमेर के खुहाड़ी पंचायत समिति में सबसे अधिक 92.51 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि बालोतरा की सिवाना पंचायत समिति में सबसे कम 72.35 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जयपुर में 85.27 प्रतिशत मतदान हुई।

चारों चरणों को मिलाकर मतदान प्रतिशत हुआ 81.40

पंचायतीराज चुनावों के लिए हुए चारों चरणों के चुनावों में प्रशासन की ओर से जागरूकता अभियान भी चलाए गए। गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में जागरूकता कार्यक्रम किए गए। इसके चलते प्रथम चरण में मतदान का प्रतिशत 80.09 दर्ज किया गया। दूसरे चरण में मतदाताओं में मतदान के प्रति उदासीनता देखी गई और यह प्रतिशत गिरकर 78.77 दर्ज किया गया। तीसरे चरण में मतदाताओं और प्रत्याशियों की जागरूकता के चलते मतदान प्रतिशत फिर बढ़ा और यह 82.32 प्रतिशत दर्ज किया गया। 15 नवंबर को हुए सरपंच चुनावों में अधिकतम मतदान के लिए प्रत्याशियों और प्रशासन ने पूरा जोर लगाया और मतदाताओं को बूथ तक लेकर आए तो यह मतदान चारों चरणों में अधिकतम 84.42 प्रतिशत रहा। इस प्रकार चारों चरणों के मतदान के बाद औसत मतदान प्रतिशत 81.40 प्रतिशत रहा है।

जयपुर में मतदान के लिए शहर से गांव पहुंचे वोटर

जयपुर जिले में मतदान का प्रतिशत सभी चारों स्थानों पर बेहतर दर्ज किया गया। यहां की बस्सी पंचायत समिति में वोटरों ने अधिकतम मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया। बस्सी पंचायत में कुल 86.17 प्रतिशत मतदान हुआ। जबकि आंधी पंचायत समिति में 84.47 प्रतिशत, जमवारामगढ़ पंचायत समिति में 85.59 प्रतिशत रहा। तूंगा पंचायत समिति में 84 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। बस्सी शहर के सबसे नजदीक कस्बा है इस कारण यहां के अधिकतर लोग शहर में जरूर बसे हों, तब भी वे आराम से बस्सी आ-जा सकते हैं।

दिनभर प्रत्याशियों के समर्थक रहे सक्रिय

प्रदेश में पंचायत चुनाव के आखिरी चरण में सोमवार को 25 जिलों की 3747 ग्राम पंचायतों में वोटिंग हुई। इनमें 3,747 सरपंच और 33,885 वार्ड पंच चुने जाएंगे। सरपंच पद के लिए हर ग्राम पंचायत में प्रत्याशी और उनके समर्थकों में जबर्दस्त सक्रियता देखी गई। बूथों पर एक-एक वोटर का ख्याल रखा जा रहा था, टीम वोटर के आते ही नाम के आगे टिक का निशान लगा रही थी। शाम छह बजे तक एक-एक वोटर को लाने के लिए सभी वाहन सुविधाओं को तैयार रखा गया था। यहां तक कि खैरथल तिजारा में तो सरपंच प्रत्याशियों के समर्थकों में पत्थरबाजी हुई, जिससे 5-7 लोग घायल भी हुए।

उत्साह जो घर से बूथ तक खींच लाया...





पंचायतीराज चुनावों में इस बार मतदान के लिए लोगों में उत्साह देखने को मिला, वृद्ध वोटरों के अलावा इस बार ग्रामीण महिलाओं ने भी जमकर मतदान में भाग लिया। इसका नजारा जयपुर जिले के बस्सी, जमवारामगढ़ और तूंगा में हुए चुनावों में देखने को मिला। यहां समर्थकों की टीमें लगातार काम कर रही थीं, पोलिंग बूथ से दूर एक टीम सिर्फ घर से निकलने वाले हर वोटर पर नजर रख रही थी, जो वोटर नहीं पहुंचा उसे लाने के जिम्मेदार आदमी को बुलाकर तुरंत वाहन सहित भेजा जा रहा था। बूथ की ओर जाने वाले रास्ते पर महिलाएं प्रत्याशी का चुनाव चिह्न लिए कतार में खड़ी थीं। कोई सेव लिए खड़ा था तो कोई लालटेन लिए खड़ा था।

आदर्श मतदान केंद्र पर पहली बार वोटिंग का अनुभव



बस्सी के दूधली स्थित आदर्श मतदान केंद्र पर वोटरों के लिए सुविधाओं का ध्यान था। यहां सेल्फी पांइट भी बनाया गया था। यहां पहली बार वोट देने आई कविता ने बताया कि वह जयपुर में परिवार के साथ पढ़ाई कर रही है और वोट डालने के लिए गांव आई है। पहली बार वोट डालकर कविता अपने परिवार के साथ बड़ी उत्साहित और खुश नजर आई। यहां टोडा भाटा में यह मतदान केंद्र बनाया गया था। लोग लंबी कतारों में लगकर अपना वोट डाल रहे थे, तो ग्रामीण महिलाएं अड़ोस-पड़ोस की साथियों के साथ वोट डालने आई थीं।

बीमार व दिव्यांगों के लिए व्हील चेयर की सुविधा

तूंगा व बस्सी के सभी मतदान बूथों पर प्रशासन की ओर से सख्ती के बाद व्हील चेयर मौजूद थी। इसके अलावा स्काउट गाइड भी मदद के लिए लगाए गए थे। तूंगा के नगराजपुरा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में छाया की व्यवस्था थी तो पानी की भी थी। यहां वोटर लाइन लगाकर अनुशासन से मतदान कर रहे थे। पिछले तीन चरणों में जिला कलेक्टर ने निरीक्षण के बाद यह साफ किया था कि आंगतुकों को स्वच्छ व्यवस्था मिलनी चाहिए।



बच्चों के लिए परिवार के साथ पर्यटन स्थल बने बूथ

अधिकतर पोलिंग बूथों पर परिवार के साथ छोटे बच्चे भी आ रहे थे। इन बच्चों के लिए ये पोलिंग बूथ किसी पर्यटन स्थल से कम नहीं लग रहे थे। वे किसी बड़े सदस्य की मॉनीटरिंग में खेल रहे थे। इन बच्चों की अटखेलियों से वोटर भी हंस रहे थे। स्काउट गाइड भी व्यवस्थाओं में अपना योगदान दे रहे थे। चाहे वह वोटर को मार्गदर्शन हो या फिर बुजुर्ग को लाना या ले जाना हो।

लोकभवन में राज्य और केन्द्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया

भारत विश्व कल्याण की सोच से जुड़ा राष्ट्र-राज्यपाल



राज्यपाल से विभिन्न राज्यों के निवासियों ने की मुलाकात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि भारत उदात्त मूल्यों से जुड़ा पूरे विश्व को अपना मानने वाला राष्ट्र है। यहां की संस्कृति सभी को स्वीकार कर विश्व कल्याण की सोच से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि यहां पर हुण आए, ग्रीक आए, मुगल आये, अंग्रेज आए पर भारत ने सबको अपनाते हुए भी अपनी नैतिकता और जीवन मूल्यों की उदार दृष्टि को कभी छोड़ा नहीं। इसीलिए यहां की संस्कृति अक्षुण्ण है, इसे कोई चाहकर भी नष्ट नहीं कर सकता।

बागडे मंगलवार को लोकभवन में विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने सभी का अभिनंदन करते हुए कहा कि भारत के राज्य राष्ट्र की संप्रभुता और समृद्धता है। उन्होंने इन राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के निवासियों को बधाई देते हुए कहा कि विविधता में एकता की भारत भूमि "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की संकल्पना लिए है।

राज्यपाल ने कहा कि 771 ईसवी में ह्वेनसांग भारत आया। उसने लिखा कि भारत के लोग जितने ईमानदार और नैतिक मूल्यों के है, उतने किसी और देश के नहीं है। उन्होंने कहा कि अंग्रेज जब देश आए तो उन्होंने भारत के मूल मूल्यों पर प्रहार किया। देश की शिक्षा पद्धति को बदला ताकि हम हमारी संस्कृति से दूर हो सकें।

बागडे ने राज्यों के स्थापना दिवस और इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि भाषा भले अलग अलग हो, भारत भावनाओं में एक राष्ट्र है। उन्होंने सभी से राष्ट्र प्रथम की सोच से कार्य करने का आह्वान किया। इससे पहले राज्यपाल ने विभिन्न राज्यों के राजस्थान में रहने वाले लोगों से संवाद किया और उनके अनुभव सुने। लोकभवन मे मंगलवार को सिक्किम, गोवा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, जम्मू–कश्मीर एवं लद्दाख, उत्तराखंड एवं झारखंड के साथ ही आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्यप्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, दिल्ली, लक्षद्वीप, पुडुचेरी आदि के निवासियों ने राज्यपाल से मुलाकात की।

जन्मदिवस पर किया प्रथम बार रक्तदान



जयपुर @ जागरूक जनता। वेदांश गुप्ता पुत्र कमल गुप्ता अपने पहले ही प्रयास में CA Foundation परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किये जाने एवं अपने 18वे जन्मदिन पर प्रथम बार रक्तदान किया और हर वर्ष इस कार्य को किये जाने का संकल्प लिया, इस समय परिवार जन, वेदांश के मित्र और पार्षद दिनेश कांवट मौजूद रहे।

बिजली कंपनियों के घाटे में 8,725 करोड़ की कमी, मुनाफे में आए दो डिस्कॉम

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ बोले : राजस्थान सौर ऊर्जा उत्पादन में देश में प्रथम

भाजपा सरकार की स्पष्ट नीति और कुशल नेतृत्व से दिख रहे परिणाम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की स्पष्ट नीति, साफ नियत और कुशल नेतृत्व के चलते राजस्थान विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। राजस्थान सौर ऊर्जा स्थापना एवं अक्षय ऊर्जा उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। वहीं जयपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगम भी घाटे से उबरकर मुनाफे में आए हैं।

राठौड़ ने कहा कि अजमेर डिस्कॉम ने 1,875.82 करोड़ और जयपुर डिस्कॉम ने पहली बार 931 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। बिजली कंपनियों के संचयी घाटे में भी करीब 8,725 करोड़ रुपए की कमी आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कुप्रबंधन से बिजली कंपनियां कर्ज के बोझ तले दब गई थीं।



उन्होंने बताया कि प्रदेश के 28 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है।

इससे किसानों को राहत के साथ सालाना 1,246 करोड़ रुपए की बचत हुई है। बिजली चोरी और छीजत पर अंकुश से एटीएंडसी लॉस भी 21.81 प्रतिशत से घटकर 12.84 प्रतिशत रह गया है। राठौड़ के अनुसार पिछले 34 माह में 29 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई है।

जयपुर में 26 को संविधान रक्षा मार्च करेगी कांग्रेस

जिला प्रभारियों के साथ आज बैठक करेंगे प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा

जागरूक जनता नेटवर्क

जयपुर। मतदाता सूचियों से मतदाताओं के हटाए गए नाम के खिलाफ कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के तहत 26 नवंबर को जयपुर में पार्टी की ओर से संविधान रक्षा मार्च आयोजित किया जाएगा। इस मार्च की तैयारियों और वोटरक्षक नियुक्त करने तथा प्रदेशभर में वोट बचाओ-देश बचाओ चौपाल के आयोजन के लिए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा मंगलवार को जिला प्रभारियों के साथ बैठक करेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव तथा मीडिया चेयरपर्सन स्वर्णिम चतुर्वेदी में बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा देश में वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अब वोट रक्षक अभियान के अंतर्गत प्रत्येक बूथ पर वोटर लिस्ट से हटाए गए मतों का सत्यापन करने के लिए वोट रक्षकों की नियुक्ति की जाएगी और इन जमीनी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित होना है। वोट बचाओ देश बचाओ चौपालों का आयोजन मंडल स्तर व ग्रामस्तर पर किया जाएगा। साथ ही 26 नवंबर को जयपुर में संविधान रक्षा मार्च आयोजित होगा।

भीड़ जुटाना रहेगी चुनौती

कांग्रेस ने 26 नवंबर को संविधान बचाओ मार्च की घोषणा तो कर दी, लेकिन इसमें भीड़ जुटाना चुनौती रहेगी, क्योंकि प्रदेश में पंचायत चुनाव के तहत 25 से 28 नवंबर तक जिला प्रमुखों और उपजिला प्रमुखों, प्रधानों और उपप्रधानों के चुनाव होने हैं। इसके तहत 25 को जिला प्रमुख और 26 नवंबर को उपजिला प्रमुखों के चुनाव हैं, वहीं 27 को प्रधान व 28 नवंबर को उपप्रधान के चुनाव होंगे। पार्टी के ज्यादातर नेता इन चुनावों में व्यस्त रहेंगे, क्योंकि इन चुनावों में बाड़ेबंदी से लेकर अंतिम समय तक उलटफेर की पूरी संभावना रहती है।

सरकारी स्कूलों में 1 लाख 23 हजार नए पद बढ़ाने की तैयारी

बीकानेर @ जागरूक जनता। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों और अन्य कार्मिकपदों का गणित बदलने जा रहा है। करीब 11 साल बाद लागू होने जा रहे नए स्टाफिंग पैटर्न में स्कूल की जरूरत का आंकलन केवल कक्षा संख्या से नहीं, विद्यार्थियों के नामांकन, कक्षा स्तर और संकाय के आधार पर होगा। यानी जहां विद्यार्थियों की संख्या अधिक होगी, वहां शिक्षकों के पद बढ़ाने का रास्ता खुलेगा। वहीं कम नामांकन वाले स्कूलों में स्वीकृत पदों की समीक्षा कर अतिरिक्त कार्मिकों का समायोजन किया जाएगा। विभागीय प्रस्ताव के अनुसार माध्यमिक शिक्षा विभाग में वर्तमान में स्वीकृत 3,92,431 पदों के मुकाबले 1,23,186 नए पद बढ़ाने का प्रस्ताव है। इसके बाद कुल स्वीकृत पदों की संख्या 5,15,617 हो जाएगी। उद्देश्य स्कूलों में शिक्षकों और अन्य कार्मिकों की उपलब्धता को वास्तविक जरूरत के अनुरूप बनाना है।

कांग्रेस की नई रणनीति : जिलों में उतरेंगे विशेष आब्जर्वर, प्रत्याशियों का मन टटोलकर बनाएंगे जिला प्रमुख-प्रधान

- मतगणना के बाद जीतने वालों को सेंधमारी से बचाने की बनेगी रणनीति
- मतगणना के बाद बदल जाएगा पूरा प्लान

निकाय चुनाव की हार से कांग्रेस ने लिया सबक : बाड़ेबंदी पर आज होगा मंथन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। निकाय चुनाव में हार के बाद कांग्रेस ने इस बार पंचायत चुनाव में चुनाव जीतने के बाद अपने संख्या बल को बचाए रखने की रणनीति पर भी काम शुरू कर दिया है। जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव में भाजपा की ओर से संभावित राजनीतिक सेंधमारी को रोकने के लिए कांग्रेस अब बाड़ेबंदी का पूरा मॉडल नए सिरे से तैयार करने जा रही है। इसके लिए पार्टी जिलों में तैनात ऑब्जर्वर की भूमिका बढ़ाने के साथ विशेष ऑब्जर्वर नियुक्त करने पर भी विचार कर रही है। ये विशेष ऑब्जर्वर संबंधित जिलों में पहुंचकर प्रत्याशियों से सीधे संवाद करेंगे, उनके मन की बात



जानेंगे और स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियों का आकलन कर प्रदेश नेतृत्व को रिपोर्ट देंगे। यानी अब बाड़ेबंदी सिर्फ प्रत्याशियों को एक जगह रखने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसके साथ निगरानी, संवाद और चुनावी प्रबंधन का अलग तंत्र भी खड़ा किया जाएगा।

निकाय चुनाव के अनुभव से सबक लेते हुए कांग्रेस ने पंचायत चुनाव में स्थानीय संगठन को आगे रखकर रणनीति बनाई है। प्रदेश के अधिकतर जिलों में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों को स्थानीय स्तर पर ही एकजुट रखा गया है। विधायकों, विधायक प्रत्याशियों, जिलाध्यक्षों और नियुक्त ऑब्जर्वर को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। मंगलवार को होने वाली दो दिवसीय संयुक्त बैठक में इसी व्यवस्था की समीक्षा होगी। बैठक में प्रदेशभर के ऑब्जर्वर, विधायक और विधायक प्रत्याशियों से जिलावार फीडबैक लिया जाएगा। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित वरिष्ठ नेता भी इसमें शामिल होंगे।

स्थानीय बाड़ेबंदी से लेकर हिमाचल तक विकल्प

कांग्रेस के रणनीतिकारों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि 20 नवंबर की मतगणना के बाद विजयी सदस्यों को किस तरह सुरक्षित रखा जाए। पार्टी की योजना है कि जीतने वाले प्रत्याशियों को एकजुट रखते हुए जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव तक उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाए। वहीं पराजित प्रत्याशियों को बाड़ेबंदी से मुक्त किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक कुछ चुनिंदा जिलों में प्रत्याशियों को हिमाचल प्रदेश तक शिफ्ट किए जाने की चर्चा है। हालांकि अधिकतर जिलों में अभी स्थानीय स्तर पर ही व्यवस्था कायम है। मंगलवार की बैठक के बाद परिस्थितियों के अनुसार प्रत्याशियों को दूसरे जिलों अथवा सीमावर्ती राज्यों के नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर भेजने का विकल्प भी खुला रखा जा सकता है। पार्टी फिलहाल इस संबंध में अंतिम निर्णय लेने से पहले जिलों की राजनीतिक स्थिति का आकलन करेगी।

निर्दलीयों पर भी नजर, संख्या बल बढ़ाने की कवायद

कांग्रेस की रणनीति केवल अपने निर्वाचित सदस्यों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। कई जिलों में निर्दलीय प्रत्याशियों से संपर्क साधने के दावे भी किए जा रहे हैं। पार्टी का प्रयास है कि जहां अपने दम पर बहुमत की स्थिति नहीं बनती, वहां निर्दलीयों को साथ लेकर जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव का गणित मजबूत किया जाए। 25 नवंबर को जिला प्रमुख, 26 को उपजिला प्रमुख, 27 को प्रधान और 28 नवंबर को उपप्रधान के चुनाव होने हैं। ऐसे में 20 नवंबर की मतगणना से लेकर इन चुनावों तक का हर दिन कांग्रेस के लिए सियासी रूप से अहम रहेगा।



इनका कहना है...

प्रदेश नेतृत्व की ओर से लगातार ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं। स्थानीय संगठन के समन्वय से पूरी व्यवस्था संचालित की जा रही है। कांग्रेस संवाद और सामूहिक सहमति में विश्वास करती है। सभी प्रत्याशियों को एकजुट रखते हुए उनकी राय और सुझाव लिए जाएंगे। प्रत्याशियों के साथ संवाद पूरा होने के बाद ही आगे की रणनीति पर निर्णय किया जाएगा। पार्टी नेतृत्व सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर अगली चुनावी प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा। **आरसी चौधरी,** कांग्रेस नेता

सम्पादकीय

AI की वैश्विक दौड़ में भारत की असली ताकत भारतीय भाषाएं

आधार और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से भारत ने यह साबित किया है कि वह अभूतपूर्व पैमाने पर और कम लागत में समस्याओं का समाधान कर सकता है। इसके अलावा वह ऐसा? डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार कर सकता है जिसका अनुकरण करने की कोशिश दुनिया के दूसरे देश भी करते हैं। अब चुनौती एआई अनुसंधान के क्षेत्र में इसी उपलब्धि को दोहराने की है। इसके लिए भारत को ऐसे क्षेत्रों की पहचान करनी होगी जिनमें वह अग्रणी भूमिका निभा सकता है।

आज आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) का अनुसंधान मोटे तौर पर 10 व्यापक क्षेत्रों में फैला हुआ है। आधारभूत मॉडल जो सामान्य उपयोग वाले एआई को शक्ति प्रदान करते हैं। इन्हें लगातार छोटा, तेज और अधिक सक्षम बनाया जा रहा है ताकि कम संसाधनों में बेहतर परिणाम मिल सकें। रीजनिंग यानी तर्क क्षमता जो एआई को जटिल समस्याओं को चरणबद्ध ढंग से समझने और उनका समाधान करने में सक्षम बनाती है। एआई एजेंट्स जो ऐसे एआई सिस्टम हैं, जो विभिन्न उपकरणों का इस्तेमाल कर सकते हैं और स्वतंत्र रूप से कार्यों को अंजाम दे सकते हैं। मल्टीमोडल एआई यानी ऐसी तकनीक जो टेक्स्ट, तस्वीरों, ऑडियो, वीडियो और भौतिक दुनिया की समझ को एक साथ जोड़ती है।

विज्ञान के लिए एआई जो चिकित्सा, पदार्थ विज्ञान, जलवायु और गणित जैसे क्षेत्रों में नई खोजों की प्रक्रिया को तेज करती है। हार्डवेयर जिसके अंतर्गत विशेष प्रकार की चिप और ऊर्जा की कम खपत करने वाली कंप्यूटिंग तकनीक विकसित की जाती है। सीखने की पद्धतियां जो एआई को कम उदाहरणों से सीखने, उपयोगी प्रशिक्षण डेटा तैयार करने और अपनी क्षमताओं में लगातार सुधार करने में मदद करती हैं। आखिरी शासन और नियमन जो एआई से जुड़े निष्पक्षता, निजता, पारदर्शिता और नियमन जैसे मुद्दों से संबंधित है। अमेरिका को फाउंडेशन मॉडल, रीजनिंग, एआई एजेंट्स, सुरक्षा, विज्ञान के लिए एआई और हार्डवेयर के क्षेत्र में बढ़त हासिल है। रोबोटिक्स और एआई अनुसंधान से जुड़े प्रकाशनों के मामले में चीन सबसे आगे है। एआई गवर्नेंस के क्षेत्र में यूरोप को बढ़त है।

भाषा आधारित एआई के क्षेत्र में भारत के पास वास्तविक क्षमताएं हैं। एआई4भारत, भारतजेन, सर्वम एआई और भाषिणी जैसे संस्थान एवं पहलें संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं के लिए एआई मॉडल और डेटासेट विकसित कर रहे हैं। इन प्रयासों के लिए दुनिया भर में बाजार की संभावनाएं हैं।

भाषा आधारित एआई के क्षेत्र में भारत के पास वास्तविक क्षमताएं हैं। एआई4भारत, भारतजेन, सर्वम एआई और भाषिणी जैसे संस्थान एवं पहलें संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं के लिए एआई मॉडल और डेटासेट विकसित कर रहे हैं। इन प्रयासों के लिए दुनिया भर में बाजार की संभावनाएं हैं। व्यावहारिक उपयोग वाले एआई के क्षेत्र में भी भारत आगे बढ़ रहा है। आईआईटी रोपड़ का अन्नमडॉटएआई किसानों को स्थानीय मौसम संबंधी जानकारी उपलब्ध कराता है, जबकि आईआईटी कानपुर का ऐरावत रिसर्च फाउंडेशन एआई आधारित वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणालियां विकसित कर रहा है।एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी और 92 देशों की ओर से नई दिल्ली घोषणा-पत्र को समर्थन मिलने से एआई गवर्नेंस के क्षेत्र में भारत की आवाज मजबूत हुई है। इंडिया एआई मिशन ने विभिन्न क्षेत्रों में एआई मॉडल विकसित करने वाली टीमों को प्रोत्साहित किया है और 45,000 से अधिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) उपलब्ध कराए हैं। भारत बहुभाषी बेंचमार्क विकसित कर सकता है, सामाजिक पूर्वग्रहों की जांच कर सकता है, डीपफेक की पहचान कर सकता है और विकासशील देशों की जरूरतों के अनुरूप सुरक्षा मानक तैयार कर सकता है। इन प्राथमिकताओं को वास्तविकता में बदलने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं। पहला, एक राष्ट्रीय एआई विकास संगठन बनाया जाना चाहिए। इसे एक गैर-सरकारी सार्वजनिक संस्था के रूप में गठित किया जा सकता है। इसकी प्रस्तावित हिस्सेदारी इस प्रकार हो सकती है- 26 फीसदी हिस्सेदारी केंद्र सरकार की हो, 26 फीसदी हिस्सेदारी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की हो, 30फीसदी हिस्सेदारी आईटी उद्योग की हो और शेष हिस्सेदारी परोपकारी संस्थाओं और अकादमिक संस्थानों की हो।

दूसरा, अगले एक दशक तक हर साल 25,000 से 30,000 करोड़ रुपये का धन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इस राशि को कई क्षेत्रों में थोड़ा-थोड़ा बांटने के बजाय चुनिंदा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर केंद्रित किया जाना चाहिए।

तीसरा, सार्वजनिक धन से विकसित एआई मॉडल, डेटासेट और बेंचमार्क खुले तौर पर उपलब्ध होने चाहिए। सुरक्षित और सहमति आधारित तरीके से एआई के प्रशिक्षण को संभव बनाने वाले डेटा एम्पावरमेंट ऐंड प्रोटेक्शन आर्किटेक्चर (डीईपीए) को मिशन मोड में लागू किया जाना चाहिए।

चौथा, सरकार को भारतीय एआई समाधानों का पहला ग्राहक बनना चाहिए। इससे इन समाधानों की मांग पैदा होगी और संभावनाशील भारतीय एआई उत्पादों एवं तकनीकों को बड़े पैमाने पर विकसित करने और बाजार में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

पांचवां, अनुसंधान क्षमता को मजबूत करने के लिए एक हजार रिसर्च चेयर स्थापित की जानी चाहिए। वर्ष 2014 की विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना की तर्ज पर कई हजार डॉक्टरेट फेलोशिप शुरू की जानी चाहिए। विदेश में कार्यरत भारतीय शोधकर्ताओं को देश में वापस आने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयास भी किए जाने चाहिए।

छठा, साझा जीपीयू सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ाई जानी चाहिए, राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग के लिए वित्तपोषण किया जाना चाहिए और सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से ऊर्जा दक्ष एआई चिप के विकास को प्रोत्साहित करना चाहिए। भारत के लिए अवसर अपनी एक अलग और नई राह बनाने में है। ऐसी एआई तकनीक विकसित करने में जो हर भाषा में संवाद कर सके और लोगों के हाथों में मौजूद अरबों उपकरणों पर काम कर सके।

दिशा से भटकते बचपन को बचाना जरूरी



अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

- बचपन को बचाना केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। इसे बचाने के लिए हम सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। अगर यह बचपन समय रहते नहीं बचाया गया, तो समाज को भी बचा पाना संभव नहीं होगा। अगर समाज नहीं बचा, तो देश भी संकट में आ जाएगा, जिससे उबरना आसान नहीं होगा।



हाल ही में हरियाणा के पंचकूला के एक स्कूल में केजी क्लास की छह वर्षीय बच्ची पर तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र द्वारा बेरहमी से हमला करने का मामला सामने आया है। आरोपी छात्र ने बच्ची के सिर पर ईंट और गमले से वार किए, उसे जमीन पर पटका और लातें मारीं। गंभीर रूप से घायल बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे छुट्टी मिल गई है और उसकी हालत में सुधार है। वहीं जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (जेजेबी) ने आरोपी बच्चे को जमानत दे दी है और उसकी पहचान उजागर करने वाले सोशल मीडिया वीडियो व तस्वीरों को हटाने के आदेश दिए हैं। इधर, भारी लापरवाही बरतने के आरोप में स्कूल की प्रिंसिपल और दो महिला शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया गया है। यह घटना एक बार फिर समाज में कई सवाल छोड़ गई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर हमारा बचपन किस दिशा में जा रहा है।

पंचकूला की घटना के अनुसार, नाबालिग और आरोपी छात्रों के व्यवहार व मानसिक स्थिति की जांच की जा रही है। आरोपी छात्र का चिकित्सकों के पैनल द्वारा मानसिक और व्यवहार संबंधी आकलन कराया गया है। इसकी मेंटल मैपिंग और रिपोर्ट पुलिस को सौंपी गई है। वहीं आरोपी छात्र के नाबालिग होने के कारण उसके मामले को वयस्क अपराधियों की तरह नहीं देखा जा रहा है। जुवेनाइल जस्टिस कानून के तहत उसकी उम्र, समझ और मानसिक स्थिति को ध्यान में रखकर प्रक्रिया अपनाई जा रही है। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी और एक मनोचिकित्सक की टीम स्कूल में लगातार पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि छात्र के इस व्यवहार के पीछे क्या कारण रहे हैं। इस घटना के कारण जो भी रहे हों, लेकिन एक बात बिल्कुल स्पष्ट है कि हमारा बचपन अपनी दिशा से भटक रहा है। इसके कारणों पर मंथन करने की सख्त जरूरत है।

असल में आज का बचपन तकनीकी और बदलती सामाजिक परिस्थितियों के कारण एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां उसकी स्वाभाविक मासूमियत, खेलकूद और सांस्कृतिक जुड़ाव पर गहरा असर पड़ रहा है। जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताबें, खिलौने और बाहरी खेल होने चाहिए, उस उम्र में वे मोबाइल स्क्रीन, वर्चुअल दुनिया और डिजिटल गैजेट्स में सिमटते जा रहे हैं। बच्चों पर छोटी उम्र से ही पढ़ाई, अंकों और भविष्य की अंधी दौड़ का दबाव बढ़ गया है, जिससे उनका मानसिक और भावनात्मक विकास प्रभावित हो रहा है। पारंपरिक कहानियों, नैतिक मूल्यों और संयुक्त परिवार के जुड़ाव की जगह बच्चे आधुनिक और पश्चिमी संस्कृति के अंधानुकरण या आक्रामक प्रवृत्तियों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। कई बार उचित मार्गदर्शन और संवाद की कमी के चलते बच्चों में सहनशीलता की कमी, आक्रामकता और संवेदनशीलता में कमी देखी जा रही है।

आज के आधुनिक और तेजी से बदलते दौर में बच्चों का स्वाभाविक बचपन कई तरह के खतरों और दबावों के नीचे दबता जा रहा है। स्मार्टफोन, टैबलेट और वीडियो गेम्स की लत ने बच्चों को शारीरिक गतिविधियों और प्रकृति से दूर कर दिया है। इससे उनका मानसिक और शारीरिक विकास प्रभावित हो रहा है। पढ़ाई का बोझ, परीक्षाओं में अव्वल आने का दबाव और माता-पिता की ऊंची महत्वाकांक्षाओं के कारण बच्चे कम उम्र में ही अवसाद और एंग्जायटी का शिकार हो रहे हैं। शहरीकरण के कारण बच्चों के पास खेलने के लिए खुले मैदान नहीं बचे हैं। बच्चे घरों में कैद होकर रह गए हैं, जिससे उनमें मोटापे और चिड़चिड़ेपन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। बाल शोषण, साइबर बुलिंग और इंटरनेट पर असुरक्षित कंटेंट की उपलब्धता बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा बन चुकी है। असल में डिजिटल प्रगति और बदलती जीवनशैली के कारण बच्चों का मासूम बचपन, उनके नैतिक संस्कार, रचनात्मक सोच और शारीरिक विकास कहीं पीछे छूटते जा रहे हैं। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह न केवल हमारे बच्चों के भविष्य को बल्कि पूरे देश की दिशा को प्रभावित करेगा। आजकल माता-पिता बच्चों को चुप कराने या व्यस्त रखने के लिए स्मार्टफोन दे देते हैं। इससे बच्चे मैदानी खेलों और आउटडोर एक्टिविटी से दूर होकर आभासी दुनिया में खो रहे हैं। एकल परिवारों के चलन के कारण बच्चों को दादा-दादी या नाना-नानी का साथ नहीं मिल पाता, जिससे वे जीवन के बुनियादी संस्कारों और कहानियों से वंचित हो रहे हैं। कई बार माता-पिता अपनी अधूरी इच्छाओं का बोझ बच्चों पर डाल देते हैं, जिससे बच्चे भारी मानसिक तनाव और कुंठा का शिकार हो जाते हैं। कामकाजी माता-पिता की व्यस्तता के कारण बच्चों को उनका साथ नहीं मिल पाता, जिससे वे भटक जाते हैं।

वहीं कामकाजी माता-पिता से बच्चों को वह समय और भावनात्मक सहारा नहीं मिल पाता, जिसकी उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत होती है। कामकाजी माता-पिता के लिए नौकरी और परिवार के बीच तालमेल बिठाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। व्यस्त जीवनशैली के कारण उनके और बच्चों के बीच दूरियां बढ़ती हैं और मानसिक तनाव उत्पन्न होता है। काम और घर के बीच की तय सीमा अक्सर समाप्त हो जाती है, जिससे कार्यालय का काम घर पर भी जारी रहता है। लगातार काम और पालन-पोषण की जिम्मेदारियों से शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक थकान होने लगती है। व्यस्तता के कारण माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद कम हो जाता है, जिससे बच्चे अकेलापन महसूस करते हैं। बच्चों को पर्याप्त समय न दे पाने का पछतावा माता-पिता के मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है।

इस व्यस्त जीवनशैली से निपटने के लिए माता-पिता को कुछ प्रभावी उपाय अपनाने की जरूरत है। एक दिन के जरूरी कामों की सूची बनाइए और उनमें से सबसे जरूरी दो-तीन कामों को पहले पूरा करें। भले ही समय कम मिले, लेकिन उस वक्त मोबाइल या अन्य कामों को छोड़कर पूरा ध्यान बच्चों के साथ बातचीत या गतिविधियों पर लगाएं। पिछले हफ्ते के अपने समय के उपयोग को देखें और अनावश्यक कामों या समय की बर्बादी को कम करें। घर के कामों या बच्चों की देखभाल में जीवनसाथी, परिवार के सदस्यों या भरोसेमंद सेवाओं की मदद लेने से हिचकिचाएं नहीं। अपनी नींद, खानपान और मानसिक शांति के लिए वक्त जरूर निकालें, क्योंकि स्वस्थ माता-पिता ही परिवार और बच्चों का बेहतर ध्यान रख सकते हैं। बचपन को बचाने के लिए बच्चों को सिर्फ भौतिक सुविधाएं नहीं, बल्कि माता-पिता का गुणवत्तापूर्ण समय और खुला संवाद चाहिए। बचपन को बचाने और उसे तनाव मुक्त, सुरक्षित और खुशहाल बनाने के लिए बच्चों को सही माहौल, खेल और संस्कारों की जरूरत होती है। बच्चों को मोबाइल और स्क्रीन से दूर रखें। उन्हें शारीरिक गतिविधि, दौड़ने, स्पर्श और अनुभव आधारित खेल में शामिल करें। बच्चों के आहार में जंक फूड और अत्यधिक मीठे पेय पदार्थों को सीमित करें और उन्हें स्वस्थ व पौष्टिक भोजन दें। बच्चों को कम उम्र से अच्छे और बुरे स्पर्श का अंतर सिखाएं। उन्हें यह बताएं कि वे अपनी मर्जी के खिलाफ किसी की गोद में बैठने या असहज महसूस होने पर मना कर सकते हैं। बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से छोटे-छोटे काम सौंपें, जैसे अपना स्कूल बैग तैयार करना या खिलौने समेटना। यदि वे गलती करें, तो तुरंत डांटने या बचाने के बजाय उन्हें खुद सीखने का मौका दें। घर में शांति, हंसी और सकारात्मक माहौल बनाए रखें। बच्चों की बात को सुनें, समझें और उनकी भावनाओं को सम्मान दें।

इसके अलावा बच्चों का स्क्रीन टाइम सीमित करें और उन्हें आउटडोर गेम्स, कला तथा रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित करें। बच्चों की तुलना दूसरों से करने के बजाय उनकी क्षमताओं को समझें और उन्हें धैर्य व प्यार के साथ सही मार्गदर्शन दें। इस संकट से बचपन को बचाने के लिए माता-पिता, स्कूल और सरकार को मिलकर प्रयास करने होंगे। बच्चों पर पढ़ाई का बेवजह दबाव न डालना और उन्हें एक सुरक्षित व प्यार भरा माहौल देना बेहद जरूरी है। बचपन को बचाना केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। इसे बचाने के लिए हम सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। अगर यह बचपन समय रहते नहीं बचाया गया, तो समाज को भी बचा पाना संभव नहीं होगा। अगर समाज नहीं बचा, तो देश भी संकट में आ जाएगा, जिससे उबरना आसान नहीं होगा।

टीबी की जंग में कहां हो रही है चूक!

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

टीबी की बीमारी के संकट को केवल आंकड़ों का खेल न मानकर एक आपातकालीन स्वास्थ्य चुनौती के रूप में लेना होगा। युद्ध स्तर पर खाली पड़े चिकित्सा और तकनीकी पदों को भरना होगा। दवा प्रतिरोधी टीबी की निगरानी के लिए कम्युनिटी लेवल पर ट्रैकिंग सिस्टम को मजबूत बनाना होगा, ताकि कोई भी मरीज इलाज अधूरा न छोड़े।



डॉ. मोनिका शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

राजस्थान में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) और हालिया ग्लोबल टीबी रिपोर्ट के आंकड़े वर्तमान में राजस्थान में टीबी (तपेदिक) संक्रमण की स्थिति विकट बता रहे हैं, जबकि सरकार केंद्र की तरह वर्ष 2030 तक राज्य को पूरी तरह टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य पर काम कर रही है। प्रदेश में टीबी के मामले लगातार बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं और मरीजों की कुल संख्या के लिहाज से राजस्थान देश में पांचवें पायदान पर है। एमडीआर (मल्टीड्रग-रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस) दवा प्रतिरोधी टीबी बड़ी चुनौतियों में शामिल है। इसका सबसे बड़ा कारण है उपचार के दौरान दवाओं का बेअसर हो जाना। आंकड़े बता रहे हैं कि टीबी मुक्त भारत और टीबी मुक्त राजस्थान के बड़े-बड़े दावों और जमीनी हकीकत के बीच बड़ी खाई है, जिसे तुरंत पाटने की जरूरत है।

राजस्थान में पिछले पांच वर्षों में टीबी के 7.93 लाख से अधिक मामलों का सामने आना और वर्ष 2024 में ही यह आंकड़ा 1.71 लाख को पार कर जाना प्रदेश की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए गंभीर चेतावनी है। कुल मरीजों की संख्या के लिहाज से देश में पांचवें स्थान पर होना कोई ऐसी उपलब्धि नहीं है, जिस पर संतोष किया जा सके। असल में टीबी में दवाओं से बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं, लेकिन एमडीआर तपेदिक टीबी का एक गंभीर और संक्रामक रूप है। यह तब होता है, जब टीबी फैलाने वाले बैक्टीरिया टीबी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दो सबसे शक्तिशाली प्रथम-पंक्ति की दवाओं आइसोनियाजिड और रिफैम्पिसिन के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं यानी इन दवाओं का उन पर कोई असर नहीं होता है। एमडीआर टीबी के मुख्य कारण हैं अधूरा या अनियमित इलाज, टीबी की दवाएं बीच में ही छोड़ देना या डॉक्टर के निर्देश के बिना दवाएं अनियमित रूप से खाना। टीबी के इलाज के दौरान सही दवा या खुराक का चयन न होना। पहले से ही एमडीआर टीबी से पीड़ित व्यक्ति के संपर्क में आना, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली यानी एचआईवी या एड्स, कुपोषण, मधुमेह या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण शरीर की प्रतिरोधक क्षमता का कमजोर होना। इसके सामान्य लक्षण जैसे दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक लगातार खांसी, छाती में दर्द, हल्का या तेज बुखार, रात में पसीना आना, बिना किसी कारण के वजन घटना, थूक में खून आना। सामान्य टीबी की तुलना में एमडीआर टीबी का इलाज काफी लंबा (लगभग 18 से 24 महीने या उससे अधिक) चलता है और इसमें सेकंड-लाइन (दूसरी पंक्ति) की एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग किया जाता है। वैसे तो ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) कोई असाध्य बीमारी नहीं है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में इसका शत-प्रतिशत सटीक और सफल इलाज मौजूद है। इसके बावजूद यदि यह बीमारी आज भी महामारी की तरह पैर पसार रही है, तो इसके पीछे नीतिगत और ढांचागत खामियां जिम्मेदार हैं। आमतौर पर देखा जाने वाला टीबी का बैक्टीरिया अब सिर्फ फेफड़ों तक सीमित नहीं रह गया है। यह रीढ़, हड्डियों, दिमाग और किडनी जैसे शरीर के अन्य संवेदनशील अंगों को भी अपनी चपेट में ले रहा है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात दवा प्रतिरोधी संक्रमण का बढ़ना है यानी जब कोई मरीज बीच में ही दवा छोड़ देता है या उसे सही खुराक नहीं मिलती, तो बैक्टीरिया दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाता है। यह स्थिति न केवल उस मरीज के लिए जानलेवा बन जाती है, बल्कि समाज में एक अधिक खतरनाक संक्रमण फैलने का कारण भी बनती है। अब सवाल यह उठता है कि जब सरकारें इस बीमारी को खत्म करने के लिए बजट और योजनाओं की घोषणाएं करती हैं, तो चूक कहां हो रही है? सबसे पहली और बड़ी चुनौती स्वास्थ्य ढांचे की है। राजस्थान के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में आज भी डॉक्टरों, विशेषज्ञ चिकित्सकों और तकनीकी स्टाफ की भारी कमी है। टीबी की समय पर पहचान के लिए उन्नत जांच सुविधाओं (जैसे सीबीएनएएटी मशीनें) की उपलब्धता हर जिला और ब्लॉक स्तर पर अनिवार्य होनी चाहिए, लेकिन हकीकत में मरीजों को जांच के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है या बड़े शहरों की दौड़ लगानी पड़ती है। समय पर जांच न होना संक्रमण के चक्र को और मजबूत करता है। दूसरी बड़ी कमजोरी पोषण सहायता व्यवस्था में है। टीबी का सीधा संबंध मरीज की रोग प्रतिरोधक क्षमता से है। एक कमजोर और कुपोषित शरीर टीबी की भारी-भरकम दवाओं का बोझ नहीं संभाल पाता।

वहीं सरकार की ओर से टीबी मरीजों को दी जाने वाली पोषण सहायता राशि या किट वितरण की व्यवस्था में अक्सर देरी और प्रशासनिक औपचारिकताएं आड़े आती हैं। जब तक मरीज को समय पर सही पोषण नहीं मिलेगा, तब तक केवल दवाओं के भरोसे टीबी से जंग नहीं जीती जा सकती। राजस्थान में टीबी के दर्ज मरीजों की संख्या पर नजर डालें, तो पिछले पांच साल में मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। वर्ष 2020 में प्रदेश में 1 लाख 37 हजार 343 मरीज दर्ज किए गए थे। 2021 में यह संख्या बढ़कर 1 लाख 49 हजार 225 हो गई। वर्ष 2022 में 1 लाख 69 हजार 522 मरीज मिले। 2023 में कुछ कमी आई और 1 लाख 65 हजार 123 मरीज दर्ज हुए। इसके बाद 2024 में मरीजों की संख्या फिर बढ़कर 1 लाख 71 हजार 921 पहुंच गई। इस तरह पांच वर्षों में प्रदेश में कुल 7 लाख 93 हजार 134 मरीज दर्ज किए गए।

ओपिनियन

परंपराओं का सुनहरा पिंजरा : आस्था, बाजार और स्त्री की अदृश्य जिम्मेदारियाँ

"धर्म और संस्कृति के उत्सवों के बीच स्त्री के समय, श्रम और स्वतंत्रता का समाजशास्त्रीय विश्लेषण"

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net



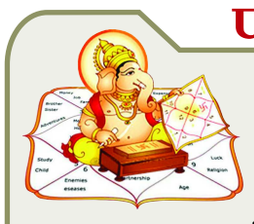
डॉ. अर्चना गोदारा
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

गाँव में त्योहार का दिन है। घर की एक महिला सुबह सामान्य दिनों से भी पहले उठती है। चूल्हा-चौका, पशुओं की देखभाल, बच्चों की तैयारी और घर की सफाई के बाद उसे पूजा की सामग्री जुटानी है। आज व्रत है, इसलिए उसने सुबह से कुछ खाया-पिया भी नहीं है। घर के दूसरे सदस्य त्योहार की तैयारियों और उल्लास में शामिल हैं, लेकिन आयोजन की अधिकांश जिम्मेदारी उसी के हिस्से में है। शाम को पूजा पूरी होने के बाद भी उसके काम समाप्त नहीं होते। वह अगले दिन की रसोई और घर की व्यवस्था में जुट जाती है। यह किसी एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय समाज के अनेक घरों में दिखाई देने वाली एक सामान्य तस्वीर है। दिलचस्प यह है कि इस पूरे श्रम को अक्सर प्रेम, संस्कार, समर्पण और धार्मिक कर्तव्य जैसे सुंदर शब्दों में समेट दिया जाता है। शायद इसी कारण इसके भीतर छिपी असमानता पर हमारी नजर कम जाती है।

भारतीय संस्कृति में स्त्री को सम्मान देने के लिए अनेक प्रतीक और संबोधन विकसित हुए हैं। उसे गृहलक्ष्मी, अन्नपूर्णा, परिवार की मर्यादा और संस्कारों की संरक्षिका कहा गया। धार्मिक आख्यानों में उसके त्याग और तपस्या को आदर्श बनाया गया। लेकिन इस सम्मान के साथ एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था भी विकसित हुई, जिसमें परिवार की सुख-समृद्धि, पति की दीर्घायु, संतान की सुरक्षा और घर की धार्मिक परंपराओं को निभाने की जिम्मेदारी मुख्यतः स्त्री के हिस्से आती चली गई। उसे परिवार की धुरी तो बनाया गया, लेकिन इस धुरी के चारों ओर घूमते हुए उसके अपने जीवन की दिशा और आकांक्षाएँ कितनी बार पीछे छूट गईं, इस पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया। सम्मान और जिम्मेदारी के बीच का यही अंतर इस विमर्श का मूल है। हमारे यहाँ व्रत और त्योहार केवल धार्मिक गतिविधियाँ नहीं हैं। वे लोकजीवन, सामूहिक स्मृतियों, पारिवारिक संबंधों और सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं। राजस्थान में तीज, गणगौर, करवा चौथ, अहोई अष्टमी, जीवित्पुत्रिका और विभिन्न क्षेत्रीय व्रतों की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। पूर्वी भारत में छठ पूजा का विशेष सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश से शुरू होकर छठ की सार्वजनिक पहचान आज देश के अनेक महानगरों तक पहुँची है। लोकगीत, पारंपरिक प्रसाद, नदी और तालाब के किनारे सामूहिक अर्घ्य तथा परिवारों की सहभागिता इस पर्व को विशिष्ट बनाते हैं। छठ में पुरुष भी व्रत करते हैं और इसकी व्यवस्थाओं में भाग लेते हैं, इसलिए इसे केवल महिलाओं का पर्व कहना सही नहीं होगा। फिर भी अनेक परिवारों में व्रत करने वाली महिलाओं को जिस शारीरिक अनुशासन, तैयारी और पारिवारिक अपेक्षाओं से गुजरना पड़ता है, वह विचारणीय है।

छठ पूजा के दौरान कई घरों में व्रती महिला को विशेष आहार संबंधी नियमों का पालन करना पड़ता है। प्रसाद की तैयारी, घर की स्वच्छता, पूजा की सामग्री, घाट तक पहुँचने की व्यवस्था और परिवार के दूसरे सदस्यों की जरूरतों का ध्यान रखना भी आयोजन का हिस्सा बन जाता है। दूसरी ओर, सामूहिकता और सहयोग की सुंदर परंपरा भी दिखाई देती है। पड़ोस की महिलाएँ एक-दूसरे की सहायता करती हैं, परिवार के पुरुष घाट की व्यवस्था में योगदान देते हैं और पूरा समुदाय एक साथ पर्व मनाता है। यही वह अंतर है जिस पर ध्यान देना आवश्यक है। जब आयोजन सामूहिक श्रम से होता है तो परंपरा सामाजिक एकता का माध्यम बनती है, लेकिन जब उसका अधिकांश बोझ एक ही व्यक्ति या वर्ग पर छोड़ दिया जाता है तो वही परंपरा असमान जिम्मेदारी का रूप लेने लगती है। करवा चौथ का उदाहरण भी इस बदलते सामाजिक स्वरूप को समझने में उपयोगी है। पहले अनेक परिवारों और क्षेत्रों में यह अपेक्षाकृत घरेलू धार्मिक परंपरा के रूप में मनाया जाता था। अब कई शहरी और अर्धशहरी क्षेत्रों में इसके आयोजन ने सार्वजनिक उत्सव का रूप भी ले लिया है। सामूहिक पूजा, विशेष आयोजन, सजे हुए बाजार, डिजाइनर परिधान, आभूषण, मेहंदी, उपहार और सोशल मीडिया पर तस्वीरों का प्रदर्शन इस पर्व की समकालीन पहचान का हिस्सा बन गए हैं। यह बदलाव अपने आप में न तो पूरी तरह गलत है और न ही किसी परंपरा की स्वाभाविक सांस्कृतिक यात्रा को नकारा जा सकता है। लेकिन प्रश्न यह है कि इस विस्तार में स्त्री की आस्था के साथ बाजार की अपेक्षाएँ भी क्यों जुड़ती जा रही हैं? अब व्रत रखने के साथ-साथ विशेष दिखना, विशेष पहनना, विशेष सजना और उत्सव की एक खास तस्वीर प्रस्तुत करना भी कई बार सामाजिक अपेक्षा बन जाता है। बाजारीकरण ने त्योहारों को केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें उपभोग और प्रदर्शन की अर्थव्यवस्था से भी जोड़ दिया है। विज्ञापन, टेलीविजन, फिल्में, सोशल मीडिया, ऑनलाइन खरीदारी और बाजार के प्रचार ने त्योहारों के स्वरूप को प्रभावित किया है। पहले जहाँ त्योहार का केंद्र परिवार और समुदाय हुआ करते थे, वहीं अब कई अवसरों पर खरीदारी और प्रदर्शन भी उसका महत्त्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। गणगौर और तीज पर पारंपरिक वस्त्रों और आभूषणों से लेकर करवा चौथ के विशेष उपहारों और छठ के लिए सजावटी पूजा सामग्री तक बाजार ने नए उपभोक्ता अवसर विकसित किए हैं। इसमें महिलाओं की पसंद, रचनात्मकता और आर्थिक भागीदारी के अवसर भी हैं, लेकिन यह भी देखना होगा कि कहीं उत्सव की खुशी को खरीदारी की क्षमता से तो नहीं मापा जाने लगा है। जिस महिला के पास महँगे कपड़े, आभूषण या विशेष आयोजन का साधन नहीं है, क्या उसका त्योहार कम महत्त्वपूर्ण हो जाता है? लेकिन इन सभी परिवर्तनों के बीच सबसे महत्त्वपूर्ण प्रश्न स्त्री के समय और श्रम का है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के समय उपयोग सर्वेक्षण (टाइम यूज सर्वे 2024) के आँकड़े इस असमानता को समझने का ठोस आधार देते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, घरेलू सदस्यों के लिए अवैतनिक घरेलू सेवाओं में भाग लेने वाली महिलाओं ने औसतन प्रतिदिन 289 मिनट खर्च किए, जबकि पुरुषों के लिए यह समय केवल 88 मिनट था।

पंचांग



ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री



साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 18/11/2026

सूर्योदय : 06:31 **सूर्यास्त :** 17:26 **चन्द्रोदय :** 13:06 **चन्द्रास्त :** 00:09 **शक सम्वत :** 1948 पराभव **विक्रम सिद्धार्थी :** 2083 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना :** कार्तिक **पूर्णिमांत :** कार्तिक **सूर्य राशि :** वृश्चिक **चन्द्र राशि :** कुम्भ **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** नवमी, 31:07 तक **वार :** बुधवार **कलियुग :** 5127 वर्ष **द्रिक ऋतु :** हेमंत **द्रिक-वैदिक अयन :** दक्षिणायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : शतभिषा, 30:00 तक
योग : ध्रुव, 07:59 तक
प्रथम करण : बालवा, 18:36 तक
द्वितीय करण:कौवाला, 31:07 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:59 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:26 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	01:53 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:26 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:26 पी एम से
अमृत काल	10:29 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:40 पी एम से
रवि योग	पूरे दिन

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास : दक्षिण-पश्चिम में
अग्निवास: पाताल
कुंभ चक्र: दक्षिण-पश्चिम

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:27 - 07:50	उद्वेग	: 05:30 - 07:07
अमृत	: 07:50 - 09:13	शुभ	: 07:07 - 08:44
काल काल वेला	: 09:13 - 10:36	अमृत	: 08:44 - 10:22
शुभ	: 10:36 - 11:59	चर	: 10:22 - 11:59
रोग वार वेला	: 11:59 - 01:21	रोग	: 11:59 - 01:36
उद्वेग	: 01:21 - 02:44	काल	: 01:36 - 03:13
चर	: 02:44 - 04:07	लाभ	: 03:13-04:50
लाभ	: 04:07 - 05:30	उद्वेग	: 04:50 - 06:28

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज नवमी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी रिक्ता तिथियां हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

कार्तिक, शुक्ल, नवमी, 2083 बुधवार, 18 नवम्बर - 24 नवम्बर, 2026

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

अन्य लोगो के सहयोग की आवश्यकता अधिक पड़ेगी इसलिए व्यर्थ की बयान बाजी से बचें। धन लाभ के लिये प्रयास में कमी नही करेंगे फिर भी आशानुकूल नही हो पायेगा।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

आप इसको लेकर ज्यादा भाग दौड़ के पक्ष में भी नही रहेंगे। नौकरी पेशा लोग अधिक कार्य भार के कारण परेशान होंगे। व्यवसायी वर्ग किसी महत्तवपूर्ण कार्य को लेकर संतोष में रहेंगे।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

अन्य व्यवसायी को मिलने वाला अनुबंध आपको मिल सकता है। माता पिता से स्नेह संबंध रहेंगे। पति पत्नी के बीच अहम को लेकर खींचतान होगी संताने भी पिता का पक्ष लेंगी।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

लेखन अथवा अध्यापन से जुड़े लोग कई दिन की मेहनत का फल कम मिलने से उदास होंगे। आकस्मिक यात्रा के प्रसंग बनेंगे खर्च भी होगा लेकिन इसके बाद भी मन संतुष्ट ही रहेगा।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

जिसे अपना शत्रु मानेंगे वही किसी न किसी रूप में धन लाभ कराएगा। थोड़ी भागदौड़ करने पर धन लाभ भी होगा पैतृक संपत्ति को लेकर किसी से ना उलझे मान भंग हो सकता है।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

व्यवसायी वर्ग को धन लाभ तो होगा लेकिन हानि की भरपाई नही कर सकेंगे। घर मे महिला वर्ग आर्थिक उलझन सुलझाने में मदद कर सकती है। लेकिन चार बाते सुनाने के बाद ही। सेहत ठीक रहेगी।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

नौकरी अथवा व्यवसायी वर्ग दोनो ही बुद्धि बल से आवश्यकता अनुसार धन की आमद कर लेंगे लेकिन तुरंत खर्च भी हो जाएगा छोटे भाई बहन से पैतृक मामलों या चुगली के कारण कहा सुनी हो सकती है।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

भाई बंधुओ का सुख भी अन्य दिनों की अपेक्षा ठीक रहेगा लेकिन मन मे स्वार्थ सिद्धि की भावना भी रहेगी। सरकारी कार्यो को आज टालने का प्रयास करें भागदौड़ एवं खर्च के बाद भी परिणाम निराश करेंगे।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

आध्यात्मिक कार्यो में लगाव रहेगा लेकिन उलझनों के कारण समय नही दे सकेंगे। जमीन संबंधित अथवा अन्य अचल संपत्ति के कार्यो से जुड़े लोगों को प्रयास करने पर अनुकूल परिणाम मिल सकते है।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

किसी के द्वारा वादा खिलाफी का आरोप भी लगाया जा सकता है सामर्थ्य अनुसार किसी याचक को कुछ न कुछ अवश्य देंगे। इस सप्ताह किसी बड़े धन का लेन देन नहीं करें।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

शुभ समाचार मिलेगा। अटके कार्यो में अनुभवी का सहयोग मिलेगा। भाग दौड़ का फल किसी भी दिन असकमात मिलेगा।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

सरकार संबंधित कार्य भाग दौड़ के बाद आश्चर्य जनक परिणाम देंगे। जोरजबरदस्ती ना करें लाभ की जगह हानि हो सकती है।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

आयुरप्रवेशिका एवं व्हाइट कोट सेरेमनी के साथ शुरू हुआ नवप्रवेशित विद्यार्थियों का शैक्षणिक सफर, 30 नवंबर तक चलेगा इंडक्शन कार्यक्रम

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ शिष्योपनयन संस्कार, नए BAMS विद्यार्थियों ने ली चिकित्सा सेवा की दीक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (मानद विश्वविद्यालय), जयपुर में BAMS प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 'आयुरप्रवेशिका 2026 एवं व्हाइट कोट सेरेमनी' के अंतर्गत पारंपरिक शिष्योपनयन संस्कार का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार, हवन एवं विधि-विधान से हुई पूजा-अर्चना के साथ विद्यार्थियों ने आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा के नए अध्याय की शुरुआत की।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य, ज्ञानार्जन और सफल चिकित्सकीय जीवन की मंगलकामना की गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलगुरु प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ला तथा राजस्थान सरकार के आयुर्वेद विभाग के निदेशक डॉ. आनंद कुमार शर्मा उपस्थित रहे। संस्थान के प्रो. पी. हेमंता, संयुक्त निदेशक जेपी शर्मा, प्रो. एचएमएल मीना एवं प्रो. सुदीप्त रथ सहित संस्थान के चिकित्सकों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी हवन एवं पूजा-अर्चना में सहभागिता की। संस्थान में आयुरप्रवेशिका 2026 के अंतर्गत 16 से 30 नवंबर तक इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था, विभिन्न विभागों, चिकित्सकीय सुविधाओं, अनुसंधान गतिविधियों एवं संस्थान की सांस्कृतिक और अकादमिक परंपराओं से परिचित कराया जाएगा।



आयुर्वेद चिकित्सा में ज्ञान के साथ सेवा और नैतिकता भी जरूरी- प्रो. शुक्ला

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलगुरु प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि चिकित्सा शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सेवा भावना, अनुशासन, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों का विशेष महत्व है। आयुर्वेद की समृद्ध गुरु-शिष्य परंपरा का अनुसरण करते हुए विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज एवं रोगियों के कल्याण के लिए करना चाहिए।

विद्यार्थी आयुर्वेद की परंपरा और आधुनिक चिकित्सा शिक्षा के बीच सेतु बनें-प्रो. शर्मा

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि संस्थान में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए यह अवसर केवल एक नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार चिकित्सक बनने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है। विद्यार्थियों को आयुर्वेद के सिद्धांतों, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान, अनुशासन और रोगी सेवा के प्रति समर्पित रहना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से संस्थान की शैक्षणिक एवं चिकित्सकीय परंपराओं का लाभ उठाकर भविष्य में समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का आह्वान किया। शिष्योपनयन संस्कार भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा का महत्वपूर्ण प्रतीक है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को गुरु के मार्गदर्शन में ज्ञान अर्जित करने, अनुशासन का पालन करने, सेवा भाव विकसित करने तथा चिकित्सा धर्म के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का संदेश दिया जाता है। चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश के इस अवसर पर आयोजित संस्कार विद्यार्थियों को मानवीय मूल्यों, रोगी के प्रति संवेदनशीलता और नैतिक चिकित्सकीय दायित्वों की याद दिलाता है।

बियानी गर्ल्स कॉलेज में आयोजित हुआ 'फिट यूथ, नशा मुक्त युवा' अभियान

खेलों से होता है अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता का विकास-बियानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी गर्ल्स कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की इकाइयों के तत्वावधान में 'विकसित भारत-फिट यूथ, नशा मुक्त युवा' अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और खेलों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ बियानी नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. जिशु जॉर्ज के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने 'नशा मुक्त युवा' विषय पर अपने विचार रखते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने तथा सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इसके पश्चात एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रमाकांत गौतम ने भारत सरकार के 'विकसित भारत' के संकल्प एवं 'माय भारत' (My Bharat) युवा पोर्टल की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. संजय बियानी एवं प्राचार्य डॉ. ध्यानसिंह गोठवाल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए खेलों को शारीरिक एवं मानसिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। साथ ही छात्राओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर स्वस्थ एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्त भारत की शपथ भी दिलाई गई। जागरूकता सत्र के बाद खेल मैदान में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं ने कबड्डी, खो-खो, रस्साकशी (टग ऑफ वॉर) एवं दौड़ प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं के दौरान छात्राओं में खेल भावना, सामूहिक सहभागिता और उत्साह देखने को मिला। अंत में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कनुप्रिया शर्मा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने, स्वस्थ आदतें अपनाने और जीवन में सही मार्ग चुनने के लिए प्रेरित करती हैं।



गायत्री सप्त क्रांति ट्रस्ट का 'दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट महोत्सव' भव्यता के साथ संपन्न

1500 श्रद्धालुओं ने ग्रहण की अन्नकूट प्रसादी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गायत्री सप्त क्रांति ट्रस्ट (रजि.) के तत्वावधान में रविवार को मुरलीपुरा स्थिति 'श्याम वाटिका' मैरिज गार्डन में 'दीपावली स्नेह मिलन, अग्रज सम्मान समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव' अत्यंत हर्षोल्लास और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस आध्यात्मिक और सामाजिक महोत्सव में गायत्री परिवार के करीब 1500 श्रद्धालुओं और परिजनों ने भाग लेकर अन्नकूट महाप्रसादी ग्रहण की।

अग्रज सम्मान और सेवा कार्यों का साझाकरण

समारोह में स्थानीय पार्षद शैलेन्द्र शर्मा, पिंकी विजय शर्मा, मोहन कुमावत, देवेंद्र निठारवाल एवं वरिष्ठ समाजसेवी नगेन्द्र वशिष्ठ, लोकचंद हरिरामानी ,संतोष, कैलाश अग्रवाल, बाबूलाल सैनी एवं कमलेश यादव तथा अन्य गणमान्य अतिथि विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्र म में आयोजित 'अग्रज सम्मान समारोह' के दौरान समाज के वरिष्ठजनों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ जनों ने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए अपने द्वारा किए गए विभिन्न सामाजिक और सेवा कार्यों की जानकारी दी, जिससे युवा पीढ़ी और उपस्थित जनसमूह को समाज सेवा की प्रेरणा मिली।



भक्तिमय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

ट्रस्ट के वरिष्ठ प्रतिनिधि जुगल किशोर जी ने जानकारी देते हुए बताया कि समारोह के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्र मों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्र म का शुभारंभ कृष्ण भगवान की वंदना और गुरु वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात कलाकारों और परिजनों द्वारा प्रस्तुत मधुर गायन, संगीत और नृत्य ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और आनंदमय बना दिया।

गौ-उत्पाद और नशा मुक्ति स्टाल रही विशेष आकर्षण

इस महोत्सव में सामाजिक जागरूकता और स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए विशेष स्टाल भी लगाई गईं। आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक गौ अनुसंधान केंद्र, मुंडोता की ओर से पंचगव्य और गौ-उत्पादों की स्टाल लगाई गई, जिसकी सभी आगंतुकों ने सराहना की। इसके साथ ही समाज को व्यसन मुक्त बनाने के उद्देश्य से नशा मुक्ति स्टाल भी लगाई गई, जहां लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। अंत में भगवान को अन्नकूट का भोग लगाकर सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई।

हाईकोर्ट की अहम व्यवस्था : दोषसिद्धि तक हर नागरिक निर्दोष

वैवाहिक विवाद में एफआईआर सरकारी नौकरी में बाधक नहीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। हाईकोर्ट की जोधपुर बेंच ने वैवाहिक कलह के चलते दर्ज आपराधिक मुकदमों को लेकर अत्यंत महत्वपूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण वाला फैसला सुनाया. जस्टिस कुलदीप माथुर की एकलपीठ ने स्पष्ट किया कि केवल एफआईआर दर्ज होने या मामला लंबित रहने से किसी नागरिक के चरित्र पर दाग नहीं लग जाता. दोषसिद्ध होने तक हर व्यक्ति निर्दोष माना जाता है. कोर्ट ने कहा, वैवाहिक विवादों में कई बार दबाव बनाने के उद्देश्य से भी मुकदमे दर्ज कराए जाते हैं. ऐसे में आरोपों की गंभीरता और पद के कर्तव्यों पर उसके प्रभाव का आकलन किए बिना किसी चयनित अभ्यर्थी को रोजगार से वंचित रखना उसके आजीविका और गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार का हनन है.

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता कुणालसिंह राठौड़ ने बताया कि चूरू जिले की तारानगर तहसील के पांडरेऊ टिब्बा गांव निवासी 29 वर्षीय कुलदीप सिंह की याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने यह आदेश पारित किया. याचिकाकर्ता कुलदीप ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के 12 दिसंबर 2024 के विज्ञापन के तहत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद के लिए आवेदन किया था. सितंबर 2025 में लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद फरवरी 2026 में उनके दस्तावेजों का सत्यापन हुआ. जुलाई-अगस्त 2026 में कुलदीप सिंह को अपने गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पदस्थापन आवंटित कर दिया गया, लेकिन जब वे कार्यभार ग्रहण करने पहुंचे तो विद्यालय प्रशासन ने पुलिस सत्यापन रिपोर्ट का हवाला देते हुए जॉइनिंग से मना कर दिया.

स्कूल प्रशासन ने दिया हवाला

अधिवक्ता राठौड़ के अनुसार, चयन प्रक्रि या के दौरान नवंबर 2025 में याचिकाकर्ता कुलदीप की पत्नी ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 85, 115(2) और 316(2) के तहत दहेज प्रताड़ना व मारपीट आदि की एफआईआर दर्ज करवाई थी. याचिकाकर्ता के अधिवक्ता राठौड़ ने कोर्ट में तर्क दिया कि भर्ती विज्ञापन की शर्त संख्या 18 और कार्मिक विभाग के 4 दिसंबर 2019 के परिपत्र के तहत ऐसे मामलों में स्वत: अयोग्यता का प्रावधान नहीं है. सुप्रीम कोर्ट के 'अवतार सिंह' और हाईकोर्ट के 'नीरज कंवर' प्रकरण के सिद्धांतों के अनुसार विभाग को आरोपों की प्रकृति का स्वतंत्र मूल्यांकन करना आवश्यक था, जो नहीं किया गया.

तुरंत नियुक्ति के आदेश

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के तर्क खारिज किए एवं विभागीय कार्रवाई को मनमाना करार दिया. कोर्ट ने शिक्षा विभाग और चयन बोर्ड को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को उसकी मेरिट और श्रेणी के अनुसार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर तुरंत नियुक्ति दी जाए. हालांकि, कोर्ट ने शर्त रखी है कि अभ्यर्थी को नियुक्ति प्राधिकारी के समक्ष शपथपत्र देना होगा कि लंबित प्रकरण में भविष्य में दोषी ठहराया गया तो इस नियुक्ति के आधार पर किसी विशेष अधिकार का दावा नहीं करेगा, जबकि दोषमुक्त होने पर सभी परिणामी लाभों का हकदार होगा.

राज्यपाल ने गोपाष्टमी पर्व पर गौ-माता और बछड़े की विधि-विधान से पूजा की

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को पिंजरापोल गौशाला में आयोजित गोपाष्टमी महोत्सव में भाग लिया। उन्होंने वहां गौ-माता और बछड़े की विधि-विधान से पूजा करते हुए आरती उतारी। राज्यपाल ने इससे पहले गौशाला में आयोजित हवन में आहुति दी और वहीं काल भैरव मंदिर में भी पूजा अर्चना कर सबके मंगल की कामना की। उन्होंने गौ पूजन करने के बाद उन्हें छप्पन भोग अर्पित किया। उन्होंने वहां के वैदिक पादप औषधीय केंद्र, गोबर उत्पादन और जैविक कृषि के उत्पादों का भी इस दौरान अवलोकन किया। उन्होंने बाद में गौ संरक्षण के साथ साथ प्राकृतिक खेती, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत के लिए सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।





आंवला नवमी कल : प्रकृति, स्वास्थ्य और आयुर्वेद का होगा संगम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को 18 नवंबर को आंवला नवमी (अक्षय नवमी) मनाई जाएगी। महिलाएं आंवले के पेड़ की पूजा कर उसकी परिक्रमा करेंगी। मंदिरों में आंवला का दान किया जाएगा। आंवला नवमी पर मंदिरों में विशेष झांकी के दर्शन होंगे।

आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, राजस्थान से जुड़े तथा विश्व आयुर्वेद परिषद (चिकित्सक प्रकोष्ठ) के राष्ट्रीय सह प्रभारी डॉ. बीएल बराला के अनुसार आंवला नवमी केवल वृक्ष पूजन का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति और स्वास्थ्य के बीच संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा है। भारतीय संस्कृति में इस पर्व का धार्मिक महत्व होने के साथ ही स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और आयुर्वेदिक जीवनशैली का गहरा संदेश भी छिपा है। इस दिन महिलाएं आंवले के वृक्ष का पूजन, परिक्रमा और दीपदान करती हैं तथा वृक्ष की छांव में बैठकर भोजन करती हैं। यह परंपरा प्रकृति के प्रति



कृतज्ञता और औषधीय वनस्पतियों के महत्व को दर्शाती है।

आंवले में विष्णु का वास

डॉ. नरेश कुमार गर्ग ने बताया कि आयुर्वेद में आंवले को आमलकी और धात्री कहा गया है। इसे श्रेष्ठ रसायन द्रव्यों में स्थान दिया गया है। मान्यता है कि आंवले के वृक्ष में भगवान विष्णु का वास होता है। धार्मिक दृष्टि से इस दिन किए गए दान-पुण्य को अक्षय फलदायी माना जाता है। वहीं स्वास्थ्य की दृष्टि से यह पर्व शरद और हेमंत ऋतु के संधिकाल में शरीर को मौसमी बदलावों के अनुरूप तैयार करने का संदेश देता है। आयुर्वेद के अनुसार आंवला त्रिदोषशामक, विशेषकर पित्तशामक माना गया है। इसमें विटामिन-सी, पॉलीफेनॉल, फ्लेवोनॉयड और टैनिन जैसे जैव सक्रिय तत्व पाए जाते हैं। यह शरीर में एंटीऑक्सीडेंट गतिविधियों, पाचन, प्रतिरक्षा और सामान्य स्वास्थ्य संवर्धन में सहायक है। आंवले का उपयोग कच्चे फल, रस, मुरब्बा, कैंडी, चूर्ण, अचार, चटनी और त्रिफला के रूप में किया जाता है। इसके तेल का उपयोग बालों की देखभाल में भी पारंपरिक रूप से होता रहा है। आंवले की चर्चा च्यवनप्राश के बिना अधूरी है। आयुर्वेद का यह प्रसिद्ध रसायन आंवले पर आधारित है। इसमें आंवले के साथ अश्वगंधा, गिलोय, शतावरी, पिप्पली, मुलेठी, दालचीनी, इलायची सहित अनेक औषधीय द्रव्यों का उपयोग किया जाता है। आयुर्वेद में च्यवनप्राश को बल, ओज, श्वसन स्वास्थ्य और सामान्य प्रतिरक्षा के संवर्धन में उपयोगी माना गया है। सर्दियों में इसका सेवन प्रचलित है, हालांकि इसकी मात्रा और सेवन विधि व्यक्ति की आयु, प्रकृति और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार निर्धारित होनी चाहिए। मधुमेह सहित विशेष स्वास्थ्य स्थितियों में चिकित्सकीय परामर्श आवश्यक है।

पर्यावरण का संदेश देता है पर्व

डॉ. बीएल बराला ने बताया कि आंवला नवमी पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देती है। आंवले का वृक्ष कम पानी और कम देखभाल में फल देता है। इससे मिट्टी की गुणवत्ता, जैव विविधता और किसानों की आय को भी लाभ मिलता है। आंवले से कैंडी, मुरब्बा, जूस, चूर्ण और च्यवनप्राश जैसे उत्पाद तैयार होने से ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योगों और महिला स्वयं सहायता समूहों को रोजगार मिलता है। आंवला नवमी पर प्रत्येक व्यक्ति को एक औषधीय पौधा लगाने और उसका संरक्षण करने का संकल्प लेना चाहिए। मौसमी फलों का उचित मात्रा में सेवन, नियमित दिनचर्या, ऋतुचर्या और आयुर्वेद आधारित जीवनशैली अपनाकर स्वस्थ जीवन की दिशा में कदम बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आंवला नवमी का वास्तविक संदेश केवल आंवले के वृक्ष की पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके संरक्षण और औषधीय गुणों को जीवन में अपनाने में निहित है।

जलमहल पर सार्वजनिक शौचालयों की व्यवस्था हेतु उपमहापौर ने महापौर एवं आयुक्त को लिखा पत्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जलमहल पर सार्वजनिक एवं चल शौचालय की व्यवस्था करवाने हेतु उपमहापौर सरोज कंवर ने महापौर सुनील कोठारी एवं आयुक्त ओम कसेरा को आमेर रोड़ स्थित एतिहासिक धरोहर जलमहल पर पर्यटकों की सुविधा हेतु सार्वजनिक शौचालय का निर्माण करवाने एवं स्थाई व्यवस्था होने तक तत्काल चल शौचालय उपलब्ध करवाने के लिये पत्र प्रेषित किया है। पत्र में उल्लेखित है कि जलमहल जयपुर एक प्रमुख पर्यटन स्थल है जहां देष-विदेष से पर्यटन भ्रमण हेतु बड़ी संख्या में आते है। इनमें महिलाऐं, बच्चे व वरिष्ठ नागरिक भी शामिल होते है। परन्तु शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसलिये जलमहल पर सार्वजनिक शौचालय व्यवस्था की जावें।

खाटूश्यामजी जन्मोत्सव के लिए रेलवे का तोहफा, 19 नवंबर से कोटा से चलेगी स्पेशल ट्रेन, यहां ठहराव

कोटा @ जागरूक जनता। खाटूश्यामजी जन्मोत्सव पर यात्री भार को देखते हुए रेल प्रशासन ने विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय किया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कोटा से रशीदपुरा खोरी वाया जयपुर स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जाएगा। इस ट्रेन में आरक्षित श्रेणियों की सीटें उपलब्ध हैं। गाड़ी संख्या 09803 कोटा-रशीदपुरा खोरी स्पेशल 19 नवंबर को कोटा से रात 9.55 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 5.40 बजे रशीदपुरा खोरी पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09804 रशीदपुरा खोरी-कोटा स्पेशल 20 नवंबर को सुबह 7.15 बजे रवाना होगी और उसी दिन शाम 4.30 बजे कोटा पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में लाखेरी, इंद्रगढ़ सुमेरगंज मंडी, सवाई माधोपुर, दुर्गापुरा, जयपुर, ढेहर का बालाजी, रींगस जंक्शन और सीकर जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में वातानुकूलित, शयनयान और सामान्य श्रेणी के कुल 16 कोच होंगे। खाटूश्यामजी के दर्शन करने वाले श्रद्धालु रींगस जंक्शन पर उतरकर करीब 17 किलोमीटर की सड़क यात्रा से मंदिर जा सकेंगे। यात्री आइआरसीटीसी से सीटों की उपलब्धता देखकर अग्रिम आरक्षण करा सकते हैं। ट्रेन की ताजा जानकारी एनटीईएस या रेलवे हेल्पलाइन 139 से ली जा सकती है। रेलवे ने अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए भागलपुर से जयपुर के बीच एकतरफा स्पेशल ट्रेन संचालित करने का निर्णय लिया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, भागलपुर-जयपुर एकतरफा स्पेशल ट्रेन 18 नवम्बर को भागलपुर से 9.30 बजे रवाना होकर 20 नवम्बर को रात 3.30 बजे जयपुर पहुंचेगी।

गलताजी में उमड़े छठ मैया के श्रद्धालु

उगते हुए सूर्य को दिया अर्घ्य

राजधानी के 51 कृत्रिम घाटों पर किया पूजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भगवान सूर्य की आराधना और लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व डाला छठ सोमवार को उगते सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और उल्लासपूर्वक संपन्न हुआ। गलताजी, आमेर मावठा, हरिपुरा, ब्रह्मपुरी स्थित पौंड्रिक पार्क, विद्याधरनगर, नांगल जैसा बोहरा, प्रतापनगर, घरौंदा और शहर के 51 से अधिक स्थानों पर बनाए गए कृत्रिम जलाशयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने छठी मैया और भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना की। सर्वाधिक संख्या में श्रद्धालु गलताजी में उमड़े। जैसे ही पूर्व दिशा में सूर्य भगवान के दर्शन हुए गलता परिसर जयकारों से गूंज उठा। बिहार और पूर्वांचल के हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर छठ पूजा की। 36 घंटे का निर्जला व्रत रखने वाली महिला एवं पुरुष व्रतियों ने जलाशयों में कमर तक पानी में खड़े होकर उगते सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया। इसके साथ ही व्रतियों ने छठी मैया से परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की खुशहाली और आरोग्य की कामना की।



कोसी भराई की परंपरा का किया निर्वहन

छठ महापर्व के दौरान रात्रि में व्रती महिलाओं ने कोसी भराई की परंपरा निभाई। इसमें मिट्टी के हाथी और कलश स्थापित कर उनके ऊपर ढक्कन रखकर पंचमुखी दीपक प्रज्वलित किया गया। पांच गन्नों को एक साथ बांधकर खड़ा किया गया और छठी मैया का गुणगान किया गया। वहीं सुहागिन महिलाओं ने नाक तक सिंदूर लगाकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना की। सुबह सूर्यदेव को अर्घ्य देने और प्रसाद वितरण के साथ चार दिवसीय महापर्व का समापन हुआ।

यहां रातभर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ तथा छठ गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

राजस्थान मैथिल परिषद के अध्यक्ष दिलीप कुमार झा ने बताया कि प्रतापनगर, घरौंदा में बिहार और पूर्वांचल के हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक महापर्व में भाग लिया। मैथिली महिला मंच की अध्यक्ष बबीता झा ने बताया कि मंच की सदस्याओं ने प्रतापनगर और आमेर में व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

इस दौरान कांच ही बांस के बहंगिया...उगहे सूरज देव अरघ के बेर... और मारबो रे सुगवा धनुष से... जैसे पारंपरिक छठ गीत गूंजते रहे। सोमवार सुबह श्रद्धालुओं को ठेकुआ सहित छठी मैया का प्रसाद वितरित किया गया।

गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध ही वास्तविक गोपाष्टमी- पं. मिश्र

जयपुर @ जागरूक जनता। गोपाष्टमी के पावन अवसर पर गौमाता सेवक समिति परिवार के गोसेवकों गोभक्तो ने ग्वाल बाबा गोधाम (गौशाला) मंशारामपुरा में सुर्य देव की साक्षी में भगवान श्रीकृष्ण गोपाल गोमाता पूजन गोकृपा आरती कर गोमाता को हरा चारा, गुड़, केला, गोआहार का भोग लगाकर पुष्पाभिषेक कर गोपाष्टमी महापर्व अपार हर्षोल्लास के साथ भावविभोर होकर गो संकीर्तन करते हुए मनाया गया। इस अवसर पर गोपुत्र मानस संजय मिश्र ने कहा कि समुद्र मंथन से उत्पन्न शास्त्रों की 'वेदलक्षणा कामधेनु गोमाता' को शस्त्रों से मुक्ति मिले गोहत्या पर तत्काल पूर्ण प्रतिबंध ही सनातन की 'वास्तविक गोपाष्टमी है। इस अवसर पर सरकार से भावुक अपील करते हुए पं. मानस मिश्र ने कहा कि आज गोमाता को केवल औपचारिक पूजन की नहीं, बल्कि वास्तविक संरक्षण और जीवनदान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गोमाता की यही पुकार है कि उन्हें सम्मान और सुरक्षा मिले तथा सरकार अविलंब गोमाता को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा प्रदान करे। इसी संकल्प को लेकर 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' के तृतीय चरण के अंतर्गत आगामी 17 दिसंबर, गुरुवार को जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में अधिक से अधिक संतों महन्तों गो सेवकों गोभक्तो मातृशक्ति का विशाल जनसमूह एकत्र होने का आह्वान किया गया है। इस अवसर पर गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम राज्य स्तरीय करोड़ों लोगों के हस्ताक्षरों से हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपा जाएगा।



बाग वाले बालाजी के अन्नकूट महोत्सव सम्पन्न



जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मांचड़ी राजगढ़ अलवर जिले में बीते दिनों अन्नकूट कार्यक्रम पंडाल वाला बाग के बालाजी पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान 300 से अधिक ब्राह्मण और बच्चों ने प्रसादी ग्रहण की। इससे पूर्व यहां संगीतमय सुंदरकांड के पाठ किया गया। यहां आने वाले भक्तों को आदर्श प्रभु राम की पुस्तक एवं सुंदरकांड पुस्तक आरती संग्रह पुस्तके भेंट की गई। नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि कार्यक्रम में सतीश चंद्र गुप्ता बाबूलाल शर्मा राम अवतार शर्मा का विशेष मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा।

'चाह राह साहित्यिक महोत्सव' सफलतापूर्वक सम्पन्न

जागरूक जनता @ पुनीत अनुपम ग्रुप द्वारा इच्छाशक्ति के महत्व को दर्शाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन 'चाह राह साहित्यिक महोत्सव' का आयोजन किया गया। जिसमें रचनाकारों को दस अलग-अलग विषयों के विकल्प देकर उनमें से किसी एक विषय का चयन करके चयनित विषय पर आधारित रचना लिखने के लिए कहा गया। इस महोत्सव में देश के अलग-अलग राज्यों के रचनाकारों ने भाग लिया। जिन्होंने दिए गए विषयों पर आधारित एक से बढ़कर एक उत्कृष्ट रचनाओं को प्रस्तुत कर महोत्सव की शोभा में चार चाँद लगा दिए और महोत्सव को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस महोत्सव में एक ओर जहां वरिष्ठ रचनाकारों ने अपनी विशिष्ट साहित्यिक शैली का प्रदर्शन किया तो दूसरी ओर ग्रुप से जुड़े नवीन रचनाकारों ने भी अपनी अनूठी भावनाओं और विचारों से ग्रुप का ध्यान आकर्षित किया। महोत्सव में सम्मिलित प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को ऑनलाइन 'पुनीत साहित्य अलंकार' सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार ने इच्छाशक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्ति की इच्छाशक्ति ही अक्सर उसे कार्य करने को प्रेरित करती है। व्यक्ति अगर मन में ठान ले तो अपनी इच्छाशक्ति के द्वारा कठिन लगने वाले कार्यों को भी आसानी से कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने महोत्सव में प्रस्तुत की गई रचनाओं पर अपनी महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया देकर रचनाकारों का मार्गदर्शन व उत्साहवर्धन किया तथा सम्मान पाने वाली सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को उज्ज्वल साहित्यिक जीवन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने ग्रुप द्वारा आयोजित होने वाले भिन्न-भिन्न ऑनलाइन साहित्यिक कार्यक्रमों में रचनाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए सादर आमंत्रित भी किया। इस महोत्सव में उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत करके ग्रुप की शोभा बढ़ाने वालों में प्रमुख नाम रत्ना वाधवानी, डॉ. कुमार धीरेन्द्र, स्वीटी श्रीवास्तव, डॉ. सूर्य प्रताप राव रेपल्ली, नीतू सिंह चौहान, अरुणा चतुर्वेदी, पंकज कुमार सिंह चौहान, दीपक कुमार 'दीप', मोनिका लक्ष्मण वलकुंदे रचनाकारों के रहे।

ठाकुर श्री सीताराम जी मंदिर में भव्य अन्नकूट प्रसादी एवं संत सेवा आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net



जयपुर। श्री ठाकुर जी सीताराम जी मंदिर, श्री सीताराम पार्क, लक्ष्मीनारायण पुरी, जयपुर में कल अन्नकूट महोत्सव के पावन अवसर पर भव्य अन्नकूट प्रसादी एवं संत सेवा कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम संत-महात्माओं को श्रद्धापूर्वक भोजन करवाकर संत सेवा का पुण्य लाभ प्राप्त किया गया। तत्पश्चात ठाकुर जी को अन्नकूट का भोग अर्पित कर पंगत प्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं एवं भक्तों को सामूहिक रूप से प्रसादी ग्रहण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री रफीक खान जी एवं भाजपा नेता तथा सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्षद बादल शर्मा उपस्थित रहे। सम्पूर्ण कार्यक्रम मंदिर के महंत श्री गिरधारी जी महाराज के पावन सानिध्य एवं आशीर्वाद में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर युवाचार्य पवन गौड़ ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, सहयोग और सामाजिक एकता का प्रतीक है। ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन हमारी सनातन संस्कृति, परंपराओं और आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं। भगवान की प्रसादी जब सभी भक्त एक साथ पंगत में बैठकर ग्रहण करते हैं, तो समाज में समानता, सद्भाव और समरसता का संदेश प्रसारित होता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग प्रदान करने वाले सभी सहयोगियों एवं कॉलोनीवासियों का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद।

सहयोगी बंधुओं में मुख्य रूप से लड्डू प्रसाद जांगिड़,लाला जी पेठे वाले, मनीष अग्रवाल, विनोद शर्मा, अंकित अग्रवाल, नरसिंह जांगिड़, योगेश खंडेलवाल, योगेश बड़ाया, संदीप बड़ाया, अजय बड़ाया, राजकुमार खिंची, अभिषेक बड़ाया, महेश जांगिड़, दीपक टांक, सुशील अग्रवाल, प्रीतम शर्मा, मनोज शर्मा, गिरराज केदावत, सतीश राजौरिया, प्रभु राजौरिया एवं ओम शर्मा विष्णु शर्मा,कमलेश शर्मा, आशु केदावत, अक्षय मल्होत्रा, वैभव पाराशर, राहुल खंडेलवाल, सहित समस्त कॉलोनीवासियों ने अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया। सभी सहयोगकर्ताओं, संत-महात्माओं, अतिथिगणों एवं भक्तजनों का मंदिर परिवार की ओर से हृदय से आभार। ठाकुर श्री सीताराम जी महाराज से प्रार्थना है कि सभी भक्तों एवं समस्त समाज पर अपनी कृपा और आशीर्वाद बनाए रखें।

पर्यटकों से ऑटो किराए के नाम पर मनमानी वसूली का आरोप, निर्धारित दर से अधिक किराया मांगने पर विवाद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। पर्यटन नगरी चित्तौड़गढ़ में गुजरात के राजकोट से घूमने आए पर्यटकों से ऑटो किराए के नाम पर कथित रूप से मनमानी वसूली का मामला सामने आया है। 16 नवंबर को सामने आए इस मामले में पर्यटकों से चित्तौड़ दुर्ग भ्रमण के लिए 300 से 350 रुपये प्रति सवारी किराया मांगे जाने का आरोप है। वहीं, दूसरे ऑटो चालक ने निर्धारित दर के अनुसार 150 रुपये प्रति सवारी में पर्यटकों को दुर्ग भ्रमण करवाया।

जानकारी के अनुसार गुजरात के राजकोट से पर्यटकों का एक दल सांवरियाजी दर्शन के बाद चित्तौड़गढ़ दुर्ग घूमने पहुंचा था। पर्यटक शहर के एक होटल में ठहरे हुए थे। इसी दौरान कुछ ऑटो चालकों एवं संचालकों द्वारा दुर्ग भ्रमण के लिए 300 से 350 रुपये प्रति सवारी किराया मांगे जाने की बात सामने आई। इसी बीच एक अन्य ऑटो चालक ने 150 रुपये प्रति सवारी किराया लेकर पर्यटकों को दुर्ग भ्रमण करवाया।

आरोप है कि निर्धारित दर से कम किराया लेने पर दूसरे ऑटो चालक संगठन के कुछ लोगों ने संबंधित ऑटो चालक को धमकियां दीं। इस पूरे घटनाक्रम का पर्यटकों ने वीडियो भी बनाया, जिसमें उन्होंने निर्धारित शुल्क से अधिक किराया वसूलने पर नाराजगी जताई। पर्यटकों का कहना था कि इस तरह की मनमानी से चित्तौड़गढ़ के पर्यटन और ऑटो चालकों की छवि खराब होती है। इस संबंध में ऑटो चालक संगठन के अध्यक्ष अयूब अली ने बताया कि शहर में कुछ ऐसे ऑटो चालक समूह सक्रिय हो गए हैं, जो पर्यटकों को अपने झांसे में लेकर मनमाना किराया वसूलते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटकों से निर्धारित शुल्क से अधिक राशि नहीं ली जानी चाहिए। पर्यटकों ने प्रशासन से मांग की कि चित्तौड़ दुर्ग भ्रमण के लिए ऑटो का किराया निर्धारित कर प्रमुख स्थानों पर रेट लिस्ट की पट्टिकाएं लगाई जाएं, ताकि बाहर से आने वाले पर्यटक किसी के बहकावे में न आएं और उन्हें निर्धारित दर पर ही परिवहन सुविधा मिल सके।

सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन 7 को, स्वामी बालमुकुंदाचार्य ने किया पोस्टर विमोचन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net





जयपुर। जाति-पाति के भेदभाव से ऊपर उठकर सामाजिक एकता, समरसता और सहयोग की भावना को साकार करने की दिशा में ब्राह्मण महिला परिषद एवं सुफल फाउंडेशन एक सराहनीय पहल करने जा रहे हैं। संस्था के तत्वावधान में आगामी 7 दिसंबर को जन उपयोगी भवन, जवाहर नगर, सेक्टर-3, जयपुर में सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर आज हाथोज धाम स्थित श्री दक्षिणमुखी बालाजी मंदिर प्रांगण में स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन कर आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर सामूहिक विवाह संयोजक, ब्राह्मण महिला परिषद की प्रदेश अध्यक्ष एवं सुफल फाउंडेशन की डायरेक्टर श्रीमती अरुणा गौड़ ने बताया कि इस आयोजन में सभी समाजों की सहभागिता से 7 से 9 जोड़ों का विवाह संपन्न करवाया जाएगा। विवाह समारोह में प्रत्येक जोड़े के फेरे, कन्यादान सहित समस्त वैवाहिक रस्में विद्वान पुरोहितों के मंत्रोच्चारण के साथ हिंदू वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न होंगी। संस्था की ओर से नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए सोने-चांदी के आभूषण, डबल बेड, गद्दे, कंबल, मिक्सर ग्राइंडर, कुकर, ओवन, स्टील के बर्तन, 11-11 साड़ियां, पैंट-शर्ट, गर्म शॉल, स्वेटर, पंखे, कूलर, स्टील की टंकी, लेडीज पर्स, मेकअप बॉक्स, आर्टिफिशियल ज्वैलरी सेट एवं चांदी के सिक्के सहित लगभग 50 प्रकार की उपयोगी वस्तुएं एकत्रित की गई हैं। साथ ही सम्मेलन में सहयोग करने वाली बहनों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने कहा कि सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता, समानता एवं एकता को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम है। ऐसे आयोजन समाज में आपसी सहयोग, सद्भाव और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर एडवोकेट गीता शर्मा (प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष), वीणा शर्मा (उपाध्यक्ष), कृष्ण श्रृंगी (महामंत्री), कल्पना शर्मा (वार्ड अध्यक्ष), हेमलता शर्मा, अरुणा शर्मा, विकास शर्मा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अवैध औद्योगिक टेक्सटाइल इकाई के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई, 20 हजार का जुर्माना वसूला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। शहर में अवैध रूप से संचालित औद्योगिक टेक्सटाइल इकाइयों के विरुद्ध नगर परिषद एवं राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 20 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया। साथ ही मौके पर जेसीबी मशीन की सहायता से अवैध रूप से स्थापित अस्थायी ढांचे एवं निर्माण को हटाया गया। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय कार्यालय के निर्देशों की पालना में इस कार्रवाई के दौरान नगर परिषद के अधिशाषी अभियंता अखाराम के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। नगर परिषद की ओर से स्वच्छता निरीक्षक प्रथम मेनका बिश्नोई एवं स्वच्छता निरीक्षक द्वितीय नाथाराम तथा प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी अशोक कुमार एवं दलपत सिंह कार्रवाई में शामिल रहे। संयुक्त टीम ने मुक्तिार खान, मुंगड़ा रोड क्षेत्र में मौके का निरीक्षण किया। इस दौरान जेसीबी मशीन की सहायता से अवैध रूप से स्थापित अस्थायी ढांचे एवं निर्माण को हटाया गया। साथ ही औद्योगिक अपशिष्टयुक्त पानी के जमाव की स्थिति का भी निरीक्षण किया गया। कार्रवाई के दौरान संबंधित पक्ष से 20 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया गया।

शम्भुलाल मीणा ने संभाला शिवदासपुरा सरपंच का पदभार



शपथ ग्रहण समारोह में उमड़े ग्रामीण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चाकसू। उपखण्ड की ग्राम पंचायत शिवदासपुरा के नवनिर्वाचित सरपंच शम्भुलाल मीणा ने शपथ ग्रहण समारोह में विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे और नवनिर्वाचित सरपंच को शुभकामनाएं दी।

नवनिर्वाचित सरपंच शम्भुलाल मीणा ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद पंचायत कार्यालय का फीता काटकर जनता का आशीर्वाद लेते हुए पदभार ग्रहण किया। समारोह में पूर्व सरपंच उदयनारायण मीणा, पूर्व सरपंच कैलाश मीणा, पूर्व सरपंच शंकरी देवी एवं पूर्व सरपंच अनिता बैरवा सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। पूर्व सरपंच उदयनारायण मीणा ने कहा कि हार-जीत लोकतंत्र का हिस्सा है। वे हमेशा गांव के विकास के लिए तत्पर रहेंगे तथा वर्तमान सरपंच एवं उनकी नवनिर्वाचित टीम को पूरा सहयोग देंगे।

गोपीनाथ गौशाला में मातृशक्ति ने गौ माता को मेहंदी लगाकर किया श्रृंगार



जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सीकर। सालासर रोड स्थित श्री गोपीनाथ गौशाला में सोमवार को मातृशक्ति द्वारा गौ सेवा का अनूठा आयोजन किया गया। मातृशक्ति ने गौ माता को श्रद्धापूर्वक मेहंदी लगाई तथा श्रृंगार कर गौ माता के प्रति भक्ति प्रकट की। गौ माता का पूजन कर उनकी सेवा और सुख-समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में गो सेविका ज्योति तनवानी, संतोष खंडेलवाल, बिमला कंवर, सरोज कलावटिया, सुनीता शर्मा, ज्योत्सना कुमावत, सुमित्रा वर्मा, महामंत्री गोपाल सोमानी, गो भक्त श्रवण शर्मा, डॉ. झाबर सिंह सहित अन्य गौ भक्त उपस्थित रहे।

वार्ड 51 में सीसी रोड, सड़क एवं नाली निर्माण कार्य शुरू



जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सीकर। वार्ड संख्या 51 में पिपराली रोड तंदूरी नाइट ढाबा के पास गली में विकास कार्यों को नई गति देते हुए सीसी सड़क व नाली का निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ सभापति खतीजा बानो ने किया।

सभापति खतीजा बानो ने कहा कि शहर के विकास का वास्तविक लाभ तभी है, जब मूलभूत सुविधाएं आमजन तक पहुंचें। उन्होंने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। वार्डवासियों को बेहतर सड़क, सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना हमारी प्राथमिकता है। क्षेत्र की जो भी आवश्यकताएं सामने आ रही हैं, उन्हें गंभीरता से लेकर विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। सड़क व नाली निर्माण से स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि इसका लाभ लंबे समय तक आमजन को मिल सके।

इस दौरान पूर्व सभापति जीवण खां, सहायक अभियंता विकास मिश्रा, कनिष्ठ अभियंता सुरेंद्र भास्कर, वार्ड पार्षद सुनील कुमार एवं वार्डवासी व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। उन्होंने वार्डवासियों से भी विकास कार्यों में सहयोग करने तथा किसी भी समस्या के संबंध में नगर परिषद एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को अवगत कराने की अपील की।

श्री क्षत्रिय कुमावत समाज विकास समिति अजीतगढ़ की बैठक आयोजित



जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

श्रीमाधोपुर। श्री क्षत्रिय कुमावत समाज विकास समिति, अजीतगढ़ की बैठक शिव मंदिर, अजीतगढ़ में समाज के सबसे वरिष्ठ सदस्य भंवरलाल जालिंद्रा के सान्निध्य में आयोजित की गई। बैठक में आगामी 6 दिसंबर को आयोजित होने वाले तृतीय प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई।

समारोह को सफल एवं भव्य बनाने के उद्देश्य से उपस्थित समाज बंधुओं को विभिन्न व्यवस्थाओं एवं कार्यों की जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

बैठक में समिति अध्यक्ष विकास मारोठिया सहित जगदीश जालिंद्रा, भवानी घोड़ेला, जे.पी., दीपचंद जालिंद्रा, हनुमान शौकील, जगदीश कारगवाल, सांवर बासनीवाल, पूर्व अध्यक्ष कमलेश जलिंद्रा, सोहन घोड़ेला, शंभु जालिंद्रा, कृष्ण घोड़ेला, सागर जालिंद्रा सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे। प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन गणेश गार्डन, अजीतगढ़ में किया जाएगा।

लोकतंत्र का महापर्व : पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026

सरपंच एवं वार्ड पंचों के लिए शांतिपूर्ण हुआ मतदान

मतदान केंद्रों पर उमड़े ग्रामीण मतदाता, बूथों पर लगी लंबी कतारें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net





जैसलमेर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के चतुर्थ चरण के तहत सोमवार को जिले में सरपंच एवं वार्ड पंचों के निर्वाचन के लिए मतदान शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। लोकतंत्र के इस महापर्व को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। सुबह 7 बजे मतदान प्रक्रिया प्रारंभ होते ही मतदाताओं का मतदान केंद्रों पर पहुंचना शुरू हो गया। कुछ ही समय में विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लग गई।

चतुर्थ चरण के तहत जिले की 10 पंचायत समितियों की 241 ग्राम पंचायतों में सरपंच पदों तथा वार्ड पंचों के पदों के लिए मतदान सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि जिले की 24 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं, जबकि ग्राम पंचायत भोजराजपुरा में किसी भी प्रत्याशी द्वारा नामांकन प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण सरपंच पद के लिए चुनाव नहीं हुआ।

पहली बार मतदान करने वाले युवाओं में उत्साह

मतदान प्रकिरया में युवाओं से लेकर महिलाओं एवं बुजुर्गों तक सभी वर्गों की उल्लेखनीय सहभागिता देखने को मिली। पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले युवा मतदाताओं में विशेष उत्साह और उमंग दिखाई दिया। वहीं महिलाएं भी बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंची और अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी का निर्वहन किया। बुजुर्ग मतदाताओं ने भी उत्साह के साथ मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

चुनाव पर्यवेक्षक ने मतदान केन्द्रों का लिया जायजा

पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव के तहत चुनाव पर्यवेक्षक वासुदेव मालावत ने सोमवार को जिले की ग्राम पंचायत लाठी, चांदन एवं धोलिया के मतदान केंद्र का निरीक्षण कर निर्वाचन व्यवस्थाओं का जायजा लिया, साथ ही दिव्यांग मतदाताओं के लिए की गई व्हीलचेयर व्यवस्था का भी अवलोकन किया। उन्होंने मतदान केंद्र पर उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा वहां तैनात पोलिंग पार्टी के सदस्यों से संवाद कर मतदान प्रक्रिया की तैयारियों एवं उनके लिए की गई व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ग्राम पंचायतों के मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण



जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जैसलमेर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के चतुर्थ चरण के तहत सोमवार को जिले में सरपंच एवं वार्ड पंचों के निर्वाचन के लिए मतदान शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर अनुपमा जोरवाल ने ग्राम पंचायत थईयात, हमीरा, काणोद, मोहनगढ़, मण्डाऊ सहित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था, मतदान केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों से मतदान की स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि मतदान प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई जाए। उन्होंने मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अक्षरशः पालना करने के निर्देश भी दिए।

नशामुक्त सीकर के लिए संघर्ष समिति चलाएगी एक लाख हस्ताक्षर अभियान

पोस्टर विमोचन के साथ मुहिम का आगाज, इसी माह कलेक्टर को सौंपेंगे ज्ञापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net



सीकर। शहर में बढ़ते नशे के चलन के खिलाफ सीकर बचाओ संघर्ष समिति ने जनजागरण अभियान शुरू किया है। श्री बोलता बालाजी मंदिर में नशामुक्ति अभियान के पोस्टर का विमोचन किया गया।

समिति के संस्थापक एवं भाजपा नेता अर्जुन तिवाड़ी ने बताया कि अभियान के तहत एक लाख नागरिकों के हस्ताक्षर करवाकर इसी माह जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसमें सीकर को नशामुक्त बनाने के लिए प्रभावी कार्रवाई की मांग की जाएगी।

तिवाड़ी ने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य और परिवारों को प्रभावित कर रहा है। इसके खिलाफ समाज के सभी वर्गों को एकजुट होना होगा। समिति की ओर से जनजागरण के लिए विशाल पदयात्रा भी निकाली जाएगी। उन्होंने सामाजिक संगठनों, व्यापारियों, युवाओं और आम नागरिकों से अभियान में भागीदारी की अपील की।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष अशोक चौधरी, जिला व्यापार संघ अध्यक्ष दयाल सिंह रारू, कैलाश स्वामी, महंत सुनील तिवाड़ी, लड्डूदास महाराज, सुरेश पारीक, पुनीत जोशी सहित अनेक गणमान्य नागरिक और युवा मौजूद रहे।

रूपवास में राष्ट्र रक्षा महायज्ञ शुरू, 115 कन्याओं का होगा निशुल्क विवाह

पं. राजकुमार शर्मा के सान्निध्य में निकली कलश यात्रा, उमड़े हजारों श्रद्धालु

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net



टोंक/रूपवास (भरतपुर)। धर्म, संस्कृति और सामाजिक समरसता के संदेश के साथ रूपवास में बगलामुखी राष्ट्र रक्षा महायज्ञ एवं 115 कन्याओं के निशुल्क सामूहिक विवाह समारोह का शुभारंभ हुआ। टोंक के सद्गुरुदेव पं. राजकुमार शर्मा के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत कलश यात्रा से हुई। इसमें 121 महिलाओं ने मंगल कलश धारण किए और हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कलश यात्रा के बाद पंडित शर्मा ने विधि-विधान से यज्ञशाला में कलश स्थापना और पूजा-अर्चना की। इसके बाद मां भारती की सामूहिक आरती हुई। आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक बाबूलाल, क्षेत्रीय प्रचारक शिवलहरी, बुधीराम, विजय कुमार, राजेंद्र प्रसाद गुरुजी, कोसु पहलवान भगत सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे।

बेटियां समाज की धरोहर, सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का माध्यम

इस अवसर पर पं. राजकुमार शर्मा ने कहा कि बेटियां पूरे समाज की धरोहर हैं और उनके विवाह की जिम्मेदारी भी समाज की है। सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता और सहयोग का सशक्त माध्यम हैं।

उन्होंने विवाह समारोहों को आडंबर, दिखावे और अनावश्यक खर्च से मुक्त कर सादगी से संपन्न करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य सेवा, सदाचार, परोपकार और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित करना है।

आराध्य देव गोपीनाथजी का अन्नकूट महोत्सव कल



जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सीकर। नगर के आराध्य भगवान श्री गोपीनाथजी का अन्नकूट महोत्सव 18 नवंबर को कार्तिक सुदी नवमी पर धूमधाम से मनाया जाएगा। श्री गोपीनाथ मंदिर, सुभाष चौक में शाम 6.15 बजे से आयोजन होगा। इस अवसर पर भगवान को छप्पन भोग एवं अन्नकूट का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को पंगत प्रसाद वितरित किया जाएगा। मंदिर के महंत सुरेंद्र कुमार गोस्वामी ने बताया कि महोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिर को फूलों और रोशनी से सजाया जा रहा है।

पंचायतीराज आम चुनाव-2026

मतगणना कार्मिकों का प्रशिक्षण 18 को, 1040 कार्मिक होंगे शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सीकर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने आदेश जारी कर पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तहत पंचायत समिति एवं जिला परिषद सदस्य पदों के लिए होने वाली मतगणना के लिए नियुक्त कार्मिकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया है।

मतगणना दलों के कार्मिकों (सीएस एवं सीए) का प्रशिक्षण 18 नवम्बर को पं. दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, कटराथल, सीकर में आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। इसमें कुल 1040 कार्मिक शामिल होंगे। प्रशिक्षण के दौरान मतगणना प्रक्रिया, निर्वाचन संबंधी दिशा-निर्देशों एवं मतगणना कार्य के सुचारू एवं निष्पक्ष संपादन के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की जाएगी।

तमिलनाडु से अरुणाचल प्रदेश के लिए 'भारत मेरिनो' भेड़ों की खेप रवाना



जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मन्नावनूर (तमिलनाडु)। भारत के पूर्वोत्तर पहाड़ी क्षेत्रों के पशुपालकों को लाभान्वित करने और उच्च गुणवत्ता वाले ऊन उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर (ICAR-CSWRI) के दक्षिणी क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र (SRRC) मन्नावनूर तमिलनाडु से आज उन्नत नस्ल की 'भारत मेरिनो' भेड़ों की एक विशेष खेप अरुणाचल प्रदेश के लिए रवाना की गई। संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर ने वैज्ञानिकों और तकनीकी अधिकारियों की उपस्थिति में इस खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन भेड़ों को अरुणाचल प्रदेश के दिरांग स्थित भाकृअनुप-राष्ट्रीय याक अनुसंधान केंद्र (ICAR-NRC on Yak) में भेजा जा रहा है, ताकि वहां इस नस्ल का एक नया प्रजनन झुंड (फ्लॉक) स्थापित किया जा सके। गौरतलब है कि 'भारत मेरिनो' महीन ऊन (Fine Wool) देने वाली एक उत्कृष्ट नस्ल है, जो अत्यधिक ऊंचाई और ठंडी जलवायु वाले क्षेत्रों के लिए बेहद अनुकूल मानी जाती है।

10 दिनों में 5 राज्यों का सफर तय कर पहुंचेगी दिरांग

आधारभूत स्टॉक के रूप में भेजे गए इस दल में उच्च आनुवंशिक गुणों वाली 26 मादा और 7 नर (कुल 33) भेड़ें शामिल हैं। सड़क मार्ग से भेजी जा रही यह खेप 5 राज्यों की सीमाओं को पार करते हुए लगभग 10 दिनों में अरुणाचल प्रदेश के दिरांग पहुंचेगी। इस पूरे स्थानांतरण और समन्वय कार्य को संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों डॉ. ए.एस. राजेंद्रन, डॉ. पी. थिरुमुरुगन और डॉ. पचैयप्पन के. द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। वहीं, राष्ट्रीय याक अनुसंधान केंद्र (दिरांग) की ओर से डॉ. मनसुख सिंह के नेतृत्व में आए अधिकारियों के दल ने इन भेड़ों को प्राप्त किया और सुरक्षित परिवहन व्यवस्था के साथ अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान किया।

आठ दिवसीय इन्द्र ध्वज महामंडल विधान का शुभारम्भ

51 कलशों के साथ महिलाओं ने निकाली घटयात्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net



फागी। कस्बे के पार्श्वनाथ चैत्यालय में विराजमान आर्यिका श्रुतमति माताजी, सुबोधमति माताजी ससंघ के सान्निध्य में आठ दिवसीय इंद्रध्वज महामंडल विधान का शुभारम्भ सोमवार को हुआ।

राजस्थान जैन महासभा शाखा फागी के महामंत्री राजाबाबू गोधा ने बताया कि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर (बीचला मंदिर) में प्रतिष्ठाचार्य सुरेश शास्त्री निवाई वालों के दिशा निर्देश में श्री जी का अभिषेक, शांति धारा और अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना करने के बाद पार्श्वनाथ चैत्यालय में आयोजित इंद्रध्वज महामंडल विधान की शुद्धि के लिए मंगल कलशों की शुद्धि करने के बाद सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में पांच मुख्य कलशों की बोलियां प्रारभ हुई, जिसमें प्रथम मुख्य मंगल कलश अरिहंत देव कलश की महेंद्र कुमार, सुरेंद्र कुमार, नरेंद्र कुमार जैन बावड़ी वाले, द्वितीय सिद्ध परमेष्ठी मंगल कलश संतोष कुमार, जम्मू कुमार जैन बजाज, तृतीय सिद्ध परमेष्ठी आचार्य मंगल कलश सोहनलाल, महावीरप्रसाद सुकुमार झंडा परिवार, चतुर्थ उपाध्याय मंगल कलश महावीर प्रसाद, रामवतार, अनिल कुमार जैन कठमाणा परिवार तथा पंचम साधु परमेष्ठी मंगल कलश महावीर प्रसाद, रामवतार, कमलेश कुमार, अनिल कुमार, मुकेश कुमार, गणेश कुमार, बब्लू जैन कठमाणा परिवार ने लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर झंडा एवं मंत्री कमलेश चौधरी ने बताया कि बीचला मंदिर से पार्श्वनाथ चैत्यालय तक बैंड बाजों द्वारा 51 सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा घटयात्रा निकाली गई।

घटयात्रा के पार्श्वनाथ चैत्यालय पहुंचने के बाद आर्यिका संघ के सान्निध्य में प्रेमचंद, कमलेश कुमार, विनोद कुमार, अभय कुमार जैन सहित समस्त कठमाणा वाले परिवार जनों ने झंडारोहण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। राजकुमार जैन मांदी वाले ने बोली के माध्यम से सौधर्म इन्द्र की बोली लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

अंग्रेजों ने हमारी शिक्षा खत्म की, सोशल मीडिया आज नशा बन चुका है, हम परोपकार भूल रहे हैं-डॉ. भागवत



जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। शहर के शिकारपुर में मरू निनाद घोष शिविर का समापन हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा- भारत परोपकार की धरती रही है. यहां सहयोग को सर्वोपरि माना गया है. समय बड़ा नाजुक है, एक साथ खड़े हुए तो समय की बाजी मार लेंगे. केवल एक नेता या समूह से देश नहीं सुधरेगा, देश के विकास और परिवर्तन के लिए पूरे समाज को एकजुट होना पड़ेगा. फिलहाल हम सर्वोच्च देश नहीं हैं, लेकिन आने वाले दिनों में हो जाएंगे, फिर भी भारत ने हमेशा सभी का सहयोग किया है. परोपकार ही हमारा धर्म है,

दुनिया भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है

संघ प्रमुख ने कहा कि दुनिया आज भारत को आशा भरी नजरों से देख रही है. दुनिया को पता है कि जिस रास्ते पर चल रही है, दो हजार वर्ष से वह रास्ता अच्छी जगह नहीं ले जा रहा है, यह उसके ध्यान में आ गया है, लेकिन दूसरा रास्ता क्या है, उनको पता नहीं है. दूसरा रास्ता भारत के पास है, यह सबको पता है. इसलिए भारत से अपेक्षा भी है. समाज का आचरण वातावरण से बदलता है, अच्छाई का वातावरण उत्पन्न करना पड़ता है. जब अच्छाई का वातावरण बनता है, तब समाज बदलता है. संघ के निर्माताओं ने यह पहले ही जान लिया था कि हमें यह करना पड़ेगा.लेकिन वे यह चाहते थे कि जो कर रहे हैं, वह बार-बार नहीं करना पड़े, इसलिए समाज के अंदर की बीमारी का इलाज जरूरी है.

कमाओ दो हाथों से, बांटो हजार हाथों से

डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि श्रीलंका में परेशानी हुई तो पैसा किसने दिया, उनका दोस्त नहीं आया. नेपाल में भूकंप आया तो पहली मदद भारत ने भेजी, उनके दोस्त कहे जाने वाले नहीं आए. मालदीव में परेशानी हुई तो पानी भारत ने भेजा, क्योंकि हम जानते हैं कि यही हमारा धर्म है. हमारा देश ही परोपकार के लिए बना है और इसलिए स्वयं में इतना पुरुषार्थ हो कि दो हाथों से कमाओ और हजार हाथों से बांटो, यही हमारे धर्म ग्रंथों की आज्ञा है. डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि "ब्रिटिशर्स ने हमारी शिक्षा को खत्म कर दिया. देश को एक प्रकार से नशे में डाल दिया गया. ब्रिटिश शासनकर्ताओं ने देख लिया कि हमारी सत्ता यहां सुरक्षित नहीं है, जब तक ये होश में हैं, इनको जीतना संभव नहीं है. इन्हें बेहोश कर दो. हमारी शिक्षा खत्म कर दी और उनकी शिक्षा हम पर थोप दी. सोशल मीडिया का नशा दे दिया. नशा सभी तरह का नुकसानदायक होता है. केवल केमिकल ड्रग का नशा ही नशा नहीं होता. चाय-कॉफी भी व्यसन बन जाते हैं. इंस्टाग्राम और फेसबुक के साथ प्रसिद्धि का भी नशा होता है. जाति, भाषा और राज्य का भी नशा हो जाता है, जो इससे दूर रहेगा उसका जीवन सुखी होगा." समारोह में 5000 से अधिक स्वयंसेवकों ने विभिन्न घोष वाद्यों का प्रदर्शन भी किया. इस मौके पर संघ प्रमुख ने देशवासियों को छठ के त्योहार की शुभकामनाएं भी दीं. समारोह में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित कई भाजपा विधायक और मंत्री भी मौजूद रहे.

एक साथ खड़े हुए तो समय की बाजी मार लेंगे

भागवत ने कहा- मैं एक ही आह्वान करूंगा, समय बड़ा नाजुक है, लेकिन एक साथ खड़े हुए तो समय की बाजी मार लेंगे. संघ की शाखा में आने से संघ के हो जाएंगे. यदि शाखा में नहीं आ सकते तो दायित्व निभा सकते हैं. संघ में कई काम हैं, ऐसा करने वालों की सहायता कीजिए. यदि ऐसा नहीं हो सकता तो जो आप अपनी जगह पर ही हैं, वहीं निस्वार्थ होकर देश के बारे में सोचिए. संघ प्रमुख ने कहा कि पहले यह मानते थे कि कण-कण में भगवान है, तो जो भी सामने होता था उसे भगवान का रूप मानते थे, उसकी सेवा करते थे. अब हम अपने को भूल गए तो अपनों को भी भूल गए. हमने हमारे अपने समाज के वर्गों को हमसे दूर रखा. कुत्ता-बिल्ली घर में पाले, लेकिन मनुष्यों को छाया से भी दूर रखा. नशे में आदमी क्या-क्या करता है? जब तक यह नशा उतरकर समाज तैयार नहीं होता है, तब तक हम अपने जीवन को भी अच्छा नहीं बना सकते, देश के जीवन को भी अच्छा नहीं बना सकते और दुनिया के जीवन को भी अच्छा नहीं बना सकते.

सरिस्का में दुर्लभ प्रजाति की 'कॉमन नवाब' तितली मिली



अलवर @ जागरूक जनता। सरिस्का के रिकॉर्ड में अब एक और दुर्लभ प्रजाति की तितली 'कॉमन नवाब' जुड़ गई है. अब तक टाइगर रिजर्व सरिस्का देश विदेश में बाघ, पैंथर, सांभर, चीतल एवं अन्य वन्यजीवों के लिए चर्चा में रहा है, लेकिन अब सरिस्का की जैव विविधता में दुर्लभ प्रजाति की तितली 'कॉमन नवाब' का जुड़ना खुशखबरी है. यह तितली मुख्य रूप से दक्षिणी राजस्थान में पाई जाती है और इससे पहले यह दुर्लभ प्रजाति की तितली केवल माउंट आबू एवं उदयपुर के वन क्षेत्रों में दिखाई दे चुकी है. पहली बार इस तितली की उत्तरी राजस्थान में मौजूदगी दर्ज हुई है. इससे पूर्व सरिस्का में 47 प्रकार की तितलियों की फोटोग्राफ रिकॉर्ड में दर्ज थी. सरिस्का के सीसीएफ संग्राम सिंह कटियार ने बताया कि दुर्लभ प्रजाति की तितली 'कॉमन नवाब' सरिस्का बाघ परियोजना कार्यालय के पास दिखाई दी. यहां फील्ड बायोलॉजिस्ट धवल डोंगा ने इस दुर्लभ प्रजाति की तितली को देखा और कैमरे में इसकी तस्वीर कैद की. उस समय यह तितली जमीन पर नमी वाली मिट्टी से जरूरी खनिज और लवण ग्रहण कर रही थी. तितलियों में पाई जाने वाली इस प्रक्रिया को मड-पडलिंग कहा जाता है।











संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा